दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

22 जनवरी को होगी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

वर्ष 52/ अंक 251/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 28 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

राजनाथ ने की एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली। आज राजधानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। इसमें भारत, चीन, पाकिस्तान, रूस, ईरान, बेलारूस के अलावा चार अन्य मध्य एशियाई देशों के रक्षा मंत्रियों ने हिस्सा लिया। एससीओ की बैठक से पहले राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अतिथि रक्षा मंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात की।

ली ने कही सीमा पर शांति रखने की बात

चीनी सेना की एक ऑनलाइन रिपोर्ट के अनुसार, ली शांगफू ने कहा कि चीन और भारत मतभेदों की तुलना में कहीं अधिक हित साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत सीमा पर स्थिति स्थिर है। दोनों पक्षों ने सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखा है। ली ने आगे कहा कि दोनों पक्षों को एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखना चाहिए। सीमा पर शांति बनाए रखने पर काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि दोनों पक्ष सेनाओं के बीच आपसी विश्वास को लगातार बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों के विकास में उचित योगदान देने के लिए मिलकर काम करेंगे।

क्या इस देश में सीनियर सिटीजन होना गुनाह है..?

मैं ......क्या सीनियर सिटीजन होना गुनाह है? भारत में 70 वर्ष की आयु के बाद वरिष्ठ नागरिक चिकित्सा बीमा के लिए पात्र नहीं हैं, उन्हें ईएमआई पर ऋण नहीं मिलता है। ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। उन्हें आर्थिक काम के लिए कोई नौकरी नहीं दी जाती है। इसलिए वे दूसरों पर निर्भर हैं। उन्होंने अपनी युवावस्था में सभी करों का भुगतान किया था। अब

सीनियर सिटीजन बनने के बाद भी उन्हें सारे टैक्स चुकाने होंगे। भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई योजना नहीं है। रेलवे पर 50 प्रतिशत की छूट भी बंद कर दी गई है। यह एक भयानक और दर्दनाक बात है। अगर परिवार के वरिष्ठ सदस्य नाराज हो जाते हैं तो इसका असर चुनाव पर पड़ेगा और सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल कौन करेगा? तो सरकार? वरिष्ठों में है सरकार बदलने की ताकत, उन्हें कमजोर समझकर न करें नजरअंदाज !

वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में कोई कठिनाई न आए, इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। वह न्याय कहाँ है? सरकार गैर-नवीकरणीय योजनाओं पर बहुत पैसा खर्च करती है, लेकिन यह कभी नहीं महसूस करती है कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक योजना आवश्यक है। इसके विपरीत बैंक की ब्याज दरों में कमी कर वरिष्ठ नागरिकों की आय कम कर रहा है। भारतीय वरिष्ठ नागरिक होना एक अपराध है... ! यह सब सोशल मीडिया में साझा करें आप सभी सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। आइए वरिष्ठ नागरिकों की आवाज़ को सरकार के कानों तक पहुँचाएँ (इस जानकारी को सभी वरिष्ठ नागरिकों की जागरूकता के लिए साझा करें।) मैं अनसुनी आवाज़ को इतना ज़ोर से सुनाता हूँ कि इसे एक जन आंदोलन के रूप में उठने दें, हम सभी को अपने लिए साझा करना चाहिए। व्हाट्सएप ग्रुप्स में।

-राजेंद्र कोठारी

पूर्व जदयू प्रवक्ता अजय आलोक भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। पूर्व जदयू प्रवक्ता अजय आलोक भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा में आकर मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं अपने परिवार में ही आया हूं, जिसके मुखिया मोदी जी हैं। अगर मेरा एक प्रतिशत योगदान भी मोदी विजन में हो सका तो यह मेरे लिए गर्व की बात होगी। भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा कि नीतीश कुमार को बहुत लोग पलटीमार कहते हैं, जो बिल्कुल सही है। उन्होंने ही 87 साल बाद जेल मैन्युअल में संशोधन किया था और यह क्लॉज डाला था कि अगर सरकारी सेवक की हत्या होगी तो उसे कभी रिहा नहीं किया जाएगा। अब आनंद मोहन और बाकी कैदियों को उन्हें रिहा करना था इसलिए उन्होंने संशोधन किया।

प्रधानमंत्री ने 91 एफएम स्टेशन शुरू किए, 18 राज्यों में 2 करोड़ लोगों तक पहुंच बढ़ी

टेक रिवोल्यूशन ने रेडियो और एफएम को नया अवतार दिया: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि डिजिटल इंडिया ने रेडियो को नए लिसनर भी दिए हैं, और नई सोच भी दी है। देश में हुए टेक रिवोल्यूशन ने रेडियो और एफएम को नया अवतार दिया है। इंटरनेट के कारण रेडियो पिछड़ा नहीं बल्कि ऑनलाइन एफएम और पॉडकास्ट के जरिए इनोवेटिव तरीकों से सामने आया है।

प्रधानमंत्री ने आज देश में रेडियो कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 100 वाट कैपेसिटी के 91 एफएम रेडियो स्टेशनों का उद्घाटन किया। 18 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों में इन एफएम रेडियो स्टेशनों का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया गया। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बात रेडियो और एफएम की होती है, तो इससे मेरा रिश्ता एक श्रोता का भी है, और एक होस्ट का भी है।

ऑल इंडिया रेडियो की एफएम सर्विस का विस्तार ऑल इंडिया एफएम बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑल इंडिया

रेडियो के 91 एफएम ट्रांसमिशन की ये शुरुआत देश के 85 जिलों के 2 करोड़ लोगों के लिए तोहफे की तरह है।

लेह में मौजूद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि लद्दाख के न्योमा गांव में दुनिया का सबसे ऊंचाई पर ट्रांसमीटर लगाने का रिकॉर्ड बना है। न्योमा 4100 की ऊंचाई पर है, यहां से कई किलोमीटर तक रेडियो का लाभ मिलने वाला है। न्योमा के अलावा लद्दाख के खल्त्से, दिस्कित में भी रेडियो स्टेशन शुरू हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक 91 एफएम रेडियो स्टेशन बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नगालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, लद्दाख के अलावा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू हो गए हैं। इन राज्यों में कुल 84 जिलों को कवर किया गया है।

लाड़ली बहनों से संवाद किया मुख्यमंत्री ने, भजन भी गाये

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज शुक्रवार को भोपाल में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों से संवाद करने निकले। उन्होंने विभिन्न केंद्रों पर जाकर जाकर लाड़ली बहना योजना के पंजीयन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होने बहनों से कहा कि जब तक उनकी सांस रहेगी, वे बहनों के लिए समर्पित रहेंगे।

इसी सिलसिले में वह आज सुबह साढ़े दस बजे सबसे पहले योग केंद्र ईदगाह हिल्स के कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उनके साथ महापौर मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा भी उनके साथ नजर आए । यहां पहुंचकर उन्होंने लाड़ली बहनों से संवाद किया और उन्हें योजना के लिए पंजीयन के बारे में भी समझाया।

इसके बाद सीएम शिवराज करीब साढ़े ग्यारह बजे टीला जमालपुरा स्थित केंद्र में पहुंचे। यहां केंद्र पर काफी उत्साह का माहौल नजर आया। महिलाओं ने नाच-गाकर सीएम शिवराज का स्वागत किया। इस दौरान सीएम शिवराज भी लाड़ली बहनों के बीच जाकर बैठ गए और उनके साथ भजन गुनगुनाए। यहां के बाद सीएम शिवराज का बरखेड़ी रशीदिया स्कूल गए, जहां वह हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाए। फिर पंचशील नगर पहुंचे, उसके बाद सुनहरी बाग जवाहर चौक वार्ड क्रमांक 32 पहुंचकर योजना की हितग्राही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

बहनों ने उतारी मुख्यमंत्री की नजर

लाड़ली बहनों से संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज ने पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत के आरछ्ण की बात करते हुए बताया की उनके इस फैसले से आज बेटियां पुलिस विभाग में काम कर रही है और लगातार आगे बढ़ रही हैं। इस मौके पर लाड़ली बहेनो ने मुख्यमंत्री शिवराज के पार्टी आभार प्रकट किया और मंच पर पहुँच कर कुछ महिलों ने बुरी नजर से बचने के लिए मुख्यमंत्री की नजर उतारी। आयोजित कार्यक्रम में महापौर भोपाल मालती राय और पूर्व महापौर आलोक शर्मा भी मौजूद रहे।

जिया सुसाइड केस में सूरज पंचोली बरी

मुम्बई। अभिनेत्री जिया खान आत्महत्या मामले में मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत शुक्रवार को अपना फैसला सुना दिया।

कोर्ट ने सबूतों के अभाव में अभिनेता सूरज पंचोली को बरी कर दिया। सूरज पंचोली पर जिया को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप था। जिया खान ने अपने जुहू स्थित घर में आत्महत्या कर ली थी। दावा किया गया था कि आत्महत्या से पहले जिया खान ने सुसाइट नोट में सूरज पर शारीरिक शोषण, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह भी हुए कोरोना पॉजीटिव, संपर्क में आए लोगों से जांच कराने की कहा

ग्वालियर। अभी हाल ही में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कोरोना पाजिटिव हो गए थे। अब उनके समर्थक व प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी कोरोना पॉजीटिव हो गए हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने उन सभी लोगों से कोरोना की जांच कराने के लिए आग्रह किया है जो उनके संपर्क में आए हैं। यह जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों को दी है।

,इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट में तोमर ने कहा है कि वे कुछ दिनों से अस्वस्थ्य महसूस कर रहे थे। इसलिए उन्होंने अपनी जांच कराई। जांच के दौरान पता चला कि वे कोरोना पाजिटिव है। रिपोर्ट आने के बाद ऊर्जा मंत्री ने अपने आप को आइसोलेट कर लिया है और किसी के संपर्क में नहीं आ रहे है। लेकिन उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपने संपर्क में आए लोगों से कहा है कि वे भी अपनी जांच करा लें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे। ऊर्जा मंत्री ने आम लोगों से क्षमा भी मांगी है। उन्होंने पोस्ट में कहा है कि अस्वस्थ्य होने की वजह से वे सेवा करने के लिए उपिस्थत नहीं हो पांएगे। इसलिए उन्हें क्षमा करें। साथ ही ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर सभी से मास्क लगाने, शारीरकि दूरी बनाए रखने और कोरोना से हर संभव बचाव रखने की अपील की है।

तुष्टिकरण की राजनीति अब नहीं चलेगी, कांग्रेस अपना अस्तित्व खो चुकी है: शर्मा

भोपाल। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा है कि कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है यह कांग्रेस के खून में है, लेकिन अब यह नहीं चलेगी। कांग्रेस अपना अस्तित्व खो चुकी है। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी इस प्रकार के संस्थान की जांच होती है और वहां पर क्या परोसा जा

रहा है, कैसे लोग तैयार किए जा रहे हैं, अगर इसकी जांच कड़ाई के साथ सरकार करती है तो मैं तो इसका अभिनंदन करता हूं।

शर्मा ने कहा कि उन्हें केवल एक वर्ग का सपोर्ट चाहिए, उन्हें उनका सपोर्ट भी मिलने वाला नहीं है। उन्हें भी पता लग गया है कि कांग्रेस इतने सालों तक हमकों कैसे भ्रमित करती रही है। आज मैं गंभीरता के साथ कहता हूं कि भारत के अंदर अल्पसंख्यक समुदाय के भाई और बहनों का भी अगर जीवन स्तर ऊंचा उठा है। भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में उनका जीवन स्तर भी बदला है।

खजुराहो क्षेत्र में दो एफएम रेडियो स्टेशन शुरू

वीडी शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने आज पूरे देश में 91 एफएम रेडियो स्टेशन का शुभारंभ किया है। हमारा सौभाग्य है कि मेरे संसदीय क्षेत्र खजुराहो के अंदर पन्ना और कटनी दो एफएम रेडियो की आज शुरुआत हुई है, माननीय प्रधानमंत्री जी का मैं अभिनंदन करता हूं। प्रदेश के अंदर और भी स्थानों पर आज एफएम रेडियो की शुरुआत हुई है।

पहलवानों का धरना जारी, नीरज चौपड़ा ने कहा इंसाफ के लिए सड़क पर बैठना पड़ता है, कष्ट होता है

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने का आज छठा दिन है। पहलवानों के समर्थन में बड़े एथलीट्स और बॉलीवुड स्टार्स ने बयान दिए हैं। आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी होना है।

पहलवानों ने सवाल उठाया कि क्रिकेटर्स इस मसले पर चुप क्यों हैं? इसके बाद इंडियन टीम के पूर्व कैप्टन कपिल देव ने शुक्रवार को कहा- क्या कभी इन लोगों को इंसाफ मिलेगा? एक नाबालिग रेसलर समेत 7 महिला खिलाड़ियों ने 21 अप्रैल को बृजभूषण के खिलाफ शिकायत दी थी, पर केस दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद रेसलर्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। अदालत आज इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

नीरज चोपड़ा ने कहा- यह देखकर कष्ट होता है कि हमारे एथलीट इंसाफ के लिए सड़क पर बैठे हैं। उन्होंने हमारे देश को गौरवान्वित किया है, कड़ी मेहनत की है। एक राष्ट्र के तौर पर हम हर किसी के सम्मान और ईमानदारी की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। यह संवेदनशील मसला है। हमें बिना पक्षपात किए और पारदर्शिता से इस मामले से निपटना चाहिए। इन लोगों को इंसाफ मिलना चाहिए।

सिने तारिका उर्मिला मतोंडकर ने कहा- मैं इस देश की बेटी और आप और मेरे घर में बैठे हर बेटी और बहन की तरफ से बात कर रही हूं। हमारे देश की वह बेटियां जिन्होंने इस देश को मान सम्मान, कई मेडल दिलवाए हैं। वह बेटियां जंतर-मंतर पर बैठी हुई हैं। ऐसे देश में जहां पर महिलाओं को देवियों का दर्जा दिया गया है। वे न्याय की भीख मांग रही हैं। क्या यह सही है? गृहमंत्री और खेल मंत्री गुहार सुनिए। जब आप उनके साथ नहीं खड़े होंगे तो इस फील्ड में ही नहीं बल्कि बाकी खेलों में भी बेटी बचाओ के नारे देने का क्या मतलब रह जाता है?

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के 100 वें एपिसोड का प्रसारण 5 हजार महिला कार्यकर्ताओं के साथ देखेंगी विधायक कृष्णा गौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 100 वें एपिसोड के लाइव प्रसारण में गोविंदपुरा विधानसभा की विधायक कृष्णा गौर 5000 महिला कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनेगी एवं संवाद करेंगी। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, गोविंदपुरा विधानसभा की विधायक कृष्णा गौर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि, 30 अप्रैल 2023 रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात के 100 वें एपिसोड को प्रधानमंत्री कार्यालय से गोविंदपुरा विधानसभा की 5000 महिला कार्यकर्ताओं से लाइव जुड़कर मन की बात करेंगे। गोविंदपुरा विधानसभा कार्यकर्ताओं का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात लाइव जुड़कर सुनने एवं संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा। मन की बात के पश्चात कृष्णा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के द्वारा सभी महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए 3 माह का सैनिटरी पैड निशुल्क वितरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री के मन की बात एवं सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम गोविंदपुरा विधानसभा भानपुर मंडल के पीपुल्स मॉल ऑडिटोरियम में होगा। कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक को जिला उपाध्यक्ष, एमआईसी सदस्य जितेंद्र शुक्ला, गोविंदपुरा विधानसभा प्रभारी, महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार, गोविंदपुरा विधानसभा संयोजक टीआर मिश्रा, भानपुर मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम का संचालन भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत एवं आभार इंद्रपुरी मंडल अध्यक्ष छोटू पंडित ने किया। बैठक में पार्षद गण छाया ठाकुर, विकास पटेल, राजू राठौर, शकुन सिंह राजू लोधी, सुरेंद्र बाड़ीका, बी शक्ति राव, प्रताप बारे, नीरज सिंह, अर्चना परमार, उर्मिला मौर्य, शीला पाटीदार, मधु शिवनानी, शिरोमणि शर्मा, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी गण तथा विधायक प्रतिनिधि एवं आनेको पदाधिकारी उपस्थित थे।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस में सर्वाधिक योगदान देने वाली वीरमाता निर्मला शर्मा का सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ले जनरल मिलन ललित नायडू पीवीएसएम, एवीएसएम, वायएसएम, (से0नि0) पूर्व उप सेना प्रमुख ने कहा कि श्रीमती शर्मा द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा निधि में दी गयी राशि एक बहुत ही उदाहरणीय कार्य है । सशस्त्र सेना झण्डा निधि में जमा की गई राशि हमें यह अवसर देता है कि हम ऐसे युद्ध विधवाओं, भूतपूर्व सैनिकों एवं निराश्रतों की देखभाल करें जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है तथा उनका सम्मान कर अपनी कृतज्ञता दिखायें ।

कैप्टन स्व. देवाशीष शर्मा कीर्तिचक्र की वीरमाता निर्मला शर्मा द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि में विगत वर्ष 2021-2022 में एक लाख 47 हजार 500 रूपये सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि में योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र से भी उन्हें सम्मानित किया गया था। सैनिक विश्रामगृह भोपाल के सभागार में गुरूवार को सम्मान समारोह में ले0 जनरल मिलन ललित नायडू ने वीरमाता निर्मला शर्मा को पुष्पगुच्छ, शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्रिगेडियर अरूण नायर, सेना मेडल, संचालक संचालनालय सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश ने समारोह में उपस्थित सभी पूर्व सैन्य अधिकारियों एवं पूर्व सैनिकों से रूबरू हुए और बताया कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान के लिए भरसक प्रयास किया जायेगा साथ ही वीरमाता निर्मला शर्मा को झण्डा दिवस निधि में की गई जमा राशि के लिए कोटि-कोटि बधाई दी गयी। ब्रिगेडियर आर विनायक, वीएसएम के द्वारा केप्टन देवाशीष शर्मा, कीर्तिचक्र के बलिदान की गाथा के संबंध में विस्तार से बताया गया। कर्नल यशवंत सिंह शौर्य चक्र ने बताया कि जो जवान देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गये है उनका पुण्य स्मरण कर उनके सम्मान में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जाता है। झण्डा निधि में वीर माता के उल्लेखनीय योगदान के उनके चरणों में एवं उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए बहुत बहुत बधाई दी गयी।

भूमि क्रय-विक्रय के लिये सरल पोर्टल इंटीग्रेशन

भोपाल । आमजन की सुविधा के लिये प्रदेश में भूमि क्रय-विक्रय (रजिस्ट्री) को भी भू-अभिलेख पोर्टल के इंटीग्रेशन से सरल बनाया गया है। सम्पदा पोर्टल और रेवेन्यू केस मैनेजमेंट पोर्टल को इंटीग्रेट किया गया है। जनता को रजिस्ट्री के समय भूमि का सत्यापन किये जाने की सुविधा दी गई है एवं उसी समय नामांतरण के लिये प्रकरण दर्ज कर लिया जाता है। सम्पदा पोर्टल पर रजिस्ट्री होते ही रेवेन्यू केस मैनेजमेंट पोर्टल पर नामांतरण स्वत: दर्ज हो जाता है एवं पेशी की तारीख भी तय हो जाती है।

डिजाइन हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण : सिकरवार

भोपाल। विश्व डिजाइन दिवस के अवसर पर आई एनआईएफडी भोपाल के संचालक बृजेंद्र सिकरवार ने कहा कि डिजाइन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है यह हमारे जीवन को सार्थकता प्रदान करता है युक्ति हमें डिजाइन के रूप में बहुत प्रेरित किया है और प्रकृति से प्रेरणा पाकर ही हम नित नई डिजाइन रखते हैं आई एनआईएफडी पूरे देश में अपने 180 केंद्रों के जरिए डिजाइन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है।

नरेंद्र मोदी ब्रह्मांड का चमकता सितारा त्रंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग को समर्पित

भोपाल। अधिवक्ता डॉ माया मदकोरिया द्वारा लिखित नरेंद्र मोदी ब्रह्मांड का चमकता सितारा पुस्तक को त्रंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के पुजारी को भेंट की। अधिवक्ता डॉ माया मदकोरिया ने बताया कि नरेंद्र मोदी ने अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से राष्ट्र ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व पर अमिट छाप छोड़ी है पूरे देश में तीर्थ स्थलों के पुनरुत्थान का कार्य नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किया जा रहा है पूर्व में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का भी भव्य पुनर्निर्माण किया गया नरेंद्र मोदी ब्रह्मांड का चमकता सितारा नरेंद्र मोदी के इसी विस्तृत पहलुओं को समेटे हुए हैं डॉ माया मदकोरिया ने कहा कि यह सौभाग्य है कि इस पुस्तक को ज्योतिर्लिंग त्रंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के पुजारी को भेंट करने का अवसर मिला।

भाजपा नेता पहलाजानी के जन्मदिन पर सुंदरकांड और भजन संध्या का आयोजन

भोपाल। भाजपा नेता किशोर पहलाजानी के जन्मदिन पर सुंदरकांड तथा भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायक विशाल परिहार ने खाटू श्याम तथा बालाजी महाराज के भजन प्रस्तुत किए। इस इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत एवं जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, मंडल के महामंत्री सूरज यादव, सचिन तिवारी, हेमंत अग्रवाल, जीतू कटारिया, गब्बू मेहरा, सुमित आहूजा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

फुटबॉल बनी बच्चों की पहली पसंद, पंजीयन की तिथि अब 15 मई

भोपाल । खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रति वर्ष 2 माह का समर कैंप आयोजित किया जाता है । समर कैंप टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 15 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर (समर कैंप) शुरू है। समर कैंप में अब तक अलग-अलग खेल विधा में लगभग 1890 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया है। पंजीयन के लिये पूर्व में 30 अप्रैल अंतिम तिथि निर्धारित थी इसे बढ़ा कर अब 15 मई कर दी गई है।

प्रशिक्षण शिविर में लगभग 21 अलग-अलग खेल विधाओं का प्रशिक्षण उच्च क्षेणी के प्रशिक्षकों की देख-रेख में दिया जा रहा है। शिविर में 6 वर्ष के बच्चों से लेकर 22 साल तक के युवा प्रशिक्षण ले रहे है। शिविर में 6 से 18 वर्ष के खिलाड़ियों के लिये 400 रूपये और 18 से 22 साल तक के खिलाड़ियों के लिये 500 रूपये प्रतिमाह प्रवेश शुल्क निर्धारित है।

दो माह तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में सबसे ज्यादा 448 बच्चों ने फुटबॉल खेल के लिये अपना पंजीयन कराया है। इसके साथ ही एथलेटिक्स में 274, बैडमिंटन में 226, बास्केटबाल में 210, जिम्नास्टिक में 133, कराते में 88, व्हालीबॉल में 78, बॉक्सिंग में 75, स्केटिंग में 62, ताइक्वांडो में 60, कबड्डी में 44, लॉन टेनिस में 41, टेबल-टेनिस में 27, कुश्ती में 23, जुडो में 21, फेंसिंग में 20, एरोबिक में 17, मल्लखम्ब में 16, योग में 5 तथा बिल्यिर्ड एवं स्नूकर में 3-3 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है।

साईं ताज दरबार का चादर चल समारोह कल शास्त्री नगर साई मंदिर से निकलेगा

भोपाल। राजधानी में प्रत्येक 2 वर्ष में एक बार निकलने वाला श्री साईं ताज दरबार का विशाल चादर चल समारोह शनिवार की शाम 6 बजे से जवाहर चौक शास्त्री नगर स्थित साईं मंदिर से निकाला जाएगा इस विशाल चादर चल समारोह में विशेष रुप से नागपुर से बनवाई गई चादर शिवाजी नगर के साढ़े छह नंबर पर स्थित साईं ताज दरबार में पेश की जाएगी इस चादर को नागपुर के कारीगर श्री अनीश द्वारा तैयार किया गया है अनीस ने बाबा ताजुद्दीन औलिया के लिए भी ज्यादा तैयार की थी चादर चल समारोह के अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव संजु और संयोजक पारस ताजी ने संवाददाताओं को जानकारी देते हुए बताया कि चल समारोह में साईं बाबा की पालकी ताजुद्दीन बाबा मां काली मां शारदा भगवान शंकर की भव्य झांकी शामिल होगी साथी ही चल समारोह में रथ ऊंट घोड़े और बग्गी शामिल रहेंगे इस चादर चल समारोह में बैंड डीजे 40 ढोल तासो का काफिला समारोह की अगवानी करेगा चादर चल समारोह शास्त्री नगर के साईं मंदिर से रवाना होकर जवाहर चौक से होते हुए टीन शेड चक्की चौराहा सेकंड बस स्टॉप 1250 पांच नंबर 6 नंबर होते हुए साढ़े छह नंबर ताज दरबार पहुंचेगा इस दौरान विभिन्न संगठनों द्वारा चादर चल समारोह पर जगह-जगह स्वागत पुष्प वर्षा और आतिशबाजी की जाएगी यह चल समारोह रात्रि 9:00 बजे श्री साईं ताज दरबार पहुंचेगा यहां उल्लेखनीय है कि इस चादर चल समारोह की शुरुआत 50 वर्ष पूर्व दरबार के संस्थापक स्वर्गी हेमंत श्रीवास द्वारा की गई थी इसके दूसरे दिन रविवार को साईं सास दरबार में विशाल भंडारा देवी जागरण का आयोजन किया गया है

द्वितीय पाली में सफाई और बेहतर करने के निर्देश

भोपाल। शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत निरंतर साफ-सफाई व्यवस्था की मानीटरिंग की जा रही है। इसी तारतम्य में महापौर परिषद में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के प्रभारी सदस्य आर.के.सिंह बघेल ने जोन 6 के विभिन्न रहवासी, बाजार क्षेत्रों, नालों, झीलों एवं सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया और प्रतिदिन दूसरी पाली में किये जाने वाले सफाई कार्य को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीडीए रेजिडेंशनल और कॉमर्शियल प्रापर्टी को कर सकता है फ्री होल्ड

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाएं साकेत नगर, एमपी नगर, विद्या नगर, कटारा हिल्स, राजीव नगर, जमाल पूरा, इंद्रपुरी, अजंता कॉम्पेक्स, अंत्योदय नगर, अंजली कॉम्प्लेक्स अन्नपूर्णा सहित बीडीए की विभिन्न योजनाओं में स्थित रेजिडेंशनल और कॉमर्शियल प्रापर्टी को फ्री होल्ड कराया जा सकता है। मौजूदा कलेक्टर गाइड लाइन के 2 प्रतिशत के बराबर शुल्क देकर मकान, प्रकोष्ठ रेजिडेंशियल प्लाट को फ्री होल्ड कराया जा सकता है। कॉमर्शियल प्रापर्टी को फ्री होल्ड कराने के लिए 3 प्रतिशत शुल्क देना होगा। बीडीए के भोपाल में लगभग 20 हजार लीज धारक है, इन्हें हर साल लीज रेंट जमा कराना होता है, फ्री होल्ड कराने के बाद लीज रेंट जमा कराने से उन्हें छूट मिल जायेगी।

जालसाज ने तलाकशुदा पत्नी के नाम लिया 50 लाख का ऋण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जालसाज के इस कार्य के लिए उन्हें दंड देना चाहिए जैसे कि फर्जीवाड़े करने के लिए उनकी पत्नी के हस्ताक्षर का उपयोग करना। इस तरह के अपराधों को अतिक्रमण के रूप में देखा जाता है और उनकी सख्त सजा होनी चाहिए। जब बैंक वाले ने ऋणधात्री महिला को तलाशा तो फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ, जिससे वह अब अपने वित्तीय संसाधनों को संभालने के लिए उपलब्ध हो सकती हैं। उसने इस मामले में ठीक किया कि वह बैंक से संपर्क करती है ताकि वह इस विवाद को हल कर सके। फर्जीवाड़े करने वालों के विरुद्ध न्याय की पूरी मांग की जानी चाहिए, ताकि लोग ऐसे अपराधों से डरने लगें और ऐसी गतिविधियों से बचें। राजधानी भोपाल शाहपुरा थाना क्षेत्र में एक जालसाज युवक ने कोरोनाकाल में एक मास्क की फैक्ट्री लगाने के लिए अपनी तलाकशुदा पत्नी के नाम से 50 लाख रुपए का ऋण ले लिया। जालसाज ने बैंक में पत्नी के फर्जी हस्ताक्षर कर चेक थमा दिए। ऋण की किश्तें जमा नहीं होने पर बैंक वाले जब ऋणधात्री महिला को तलाशते हुए उसके घर पहुंची तो फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पुलिस ने लंबी जांच के बाद फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज कर लिया है। शाहपुरा थाना प्रभारी अवधेश भदौरिया ने बताया कि हिबा खान शाहपुरा में अपने मायके में रहती हैं। उनकी शादी एयरोसिटी रोड स्थित निवासी अब्दुल रहीम अंसारी (28) से वर्ष 2019 में हुई थी। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के समय अब्दुल रहीम अंसानी ने मास्क की फैक्ट्री लगाने के लिए पत्नी हिबा के नाम से सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाहपुरा ब्रांच से 50 लाख का लोन ले लिया। हिबा को पता ही नहीं चला कि उसके पति ने उसके नाम से 50 लाख रुपए का बैंक से ऋण ले लिया है। वर्ष 2020 के अंत में ही हिबा खान पति को छोड़कर शाहपुरा स्थित मायके में रहने आ गई थी।

नोटिस मिलने पर खुलासा हुआ: हिबा खान को कुछ माह पहले ऋण की किश्तें नहीं चुकाने पर बैंक की तरफ से नोटिस भेजा गया। नोटिस मिलने के बाद वह बैंक शाखा पहुंची तो बैंक अधिकारियों ने बताया कि तुम्हारे नाम पर 50 लाख रुपए का ऋण लिया गया है। हिबा खान ने वर्ष 2021 में पति के खिलाफ दहेज उत्पीडन् और अप्राकृतिक कृत्य करने का मामला दर्ज कराया था और मामला कोर्ट में चल रहा है। वहीं अब्दुल रहीम अंसानी उसे तलाक दे चुका है। पुलिस अब धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

वर्ल्ड बैंक और स्वास्थ्य मंत्रालय के दल ने किया अस्पतालों का निरीक्षण

कोविड नियंत्रण और प्रबंधन में जिले के कार्यों को सराहा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वर्ल्ड बैंक और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त दल द्वारा गुरूवार को भोपाल जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण किया गया। दल ने कोविड-19 के दौरान अस्पतालों में कोविड मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए किये गए कार्यों एवं संसाधनों की जानकारी ली।

संयुक्त दल द्वारा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं जयप्रकाश जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान सेम्पलिंग की व्यवस्था, आई.सी.यू., ऑक्सीजन प्लांट, ऑक्सीजन सप्लाई, उपकरणों, दवाईयों की स्थिति, नवाचारों, सामुदायिक सहभागिता की जानकारी ली। पांच सदस्यीय संयुक्त दल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से विभूति कुमार सिंह, वर्ल्ड बैंक से दिनेश नायर, अनघा घोष, तान्या गुप्ता एवं राज्य स्तर से नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन यंत्री, श्री मनोज शर्मा उपस्थित रहे। दल द्वारा गांधी मेडिकल कॉलेज में संचालित स्टेट वायरोलॉजी लैब का निरीक्षण किया। डीन डॉ. अरविन्द राय ने बताया कि कोविड - 19 के दौरान संसाधनों की उपलब्धता के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया। कोविड के दौरान प्रसव सेवाएं, सर्जरी, डायलिसिस इत्यादि सभी सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित रहीं। माईक्रोबाईलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीप्ति चौरसिया ने बताया कि शासन द्वारा बेहद कम समय में जांच के लिए सभी आवश्यक साधन उपलब्ध करवाये गए। साथ ही कर्मचारियो को सेम्पलिंग, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन एवं कोविड प्रोटोकॉल के अनुरूप सेवा प्रदायगी के लिए प्रशिक्षण दिया गया। जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान संयुक्त दल ने कोविड-19 के समय बनाये गए आई.सी.यू., ऑक्सीजन प्लाण्ट, ऑक्सीजन सप्लाई के प्रबंधन, उपकरणों एवं दवाईयों के उपार्जन एवं सप्लाई की स्थिति को देखा। सेम्पल कलेक्शन के लिए जिला चिकित्सालय में बनाई गई व्यवस्था एवं फीवर क्लिनिक के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। एक ही दिन में लगभग 15000 से अधिक सेम्पलिंग एवं 4 हज़ार से अधिक मरीजों के प्रबंधन की जानकारी दी गई। कोविड के दौरान लगभग 38 लाख से अधिक सेम्पलिंग की गई, जिसमें लगभग 20 लाख आर.टी.पी.सी.आर. एवं 10 लाख रेपिड एंटीजन शामिल हैं। निरीक्षण दल द्वारा दवाओं एवं उपकरणों की सप्लाई के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित किये जा रहे ई-औषधि पोर्टल की सराहना की गई। साथ ही कोविड-19 के नियंत्रण एवं प्रबंधन हेतु प्रत्येक स्तर पर किये गए कार्यों की प्रशंसा की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि कोविड की तीसरी लहर के दौरान ज़िले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किये गए थे। वर्तमान में ज़िला चिकित्सालय में ऑक्सीजनयुक्त 138 कोविड बेड, 56 बिस्तरीय आईसीयू एवं 17 वेण्टीलेटर की व्यवस्था भी जिला चिकित्सालय में की गई है। यहां पर 1000 एल.पी.एम. के दो ऑक्सीजन प्लांट एवं 6 किलोलीटर का एक एल.एम.ओ प्लांट संचालित है अस्पताल में 470 ऑक्सीजन सिलेण्डर भी वर्तमान में उपलब्ध हैं। सिविल अस्पताल बैरागढ़, के.एन.के., बैरसिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलार, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नज़ीराबाद एवं अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में ऑक्सीजन प्लाण्ट क्रियाशील हैं। सिविल अस्पताल केएनके में 500 एलपीएम का पी.एस.ए. प्लाण्ट एवं 1 किलोलीटर का एल.एम.ओ. प्लाण्ट, सिविल अस्पताल बैरागढ़ एवं कोलार में 150-150 एलपीएम, एम्स में 1000 एलपीएम, गांधी मेडिकल कॉलेज में 5000 एलपीएम, कमला नेहरू गैस राहत, खुशीलाल एवं रेल्वे चिकित्सालय में 500-500 एलपीएम, कस्तूरबा चिकित्सालय में 500 एलपीएम एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नजीराबाद में 250 एलपीएम क्षमता के ऑक्सीजन प्लांट संचालित है। कोविड नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य शासकीय विभागों एवं अशासकीय संस्थाओं ने समन्वित रूप से कार्य किया है। निजी क्षेत्रों के मेडिकल कॉलेजों ने भी इस दौरान मरीज़ों के उपचार में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

देश की आर्थिक समृद्धि के लिए वित्तीय समावेशन महत्वपूर्ण : प्रह्लाद पटेल

दो दिवसीय आईसेक्ट नेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आईसेक्ट द्वारा और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की सहायता से आयोजित की जा रही दो दिवसीय आईसेक्ट नेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन वित्तीय समावेशन थीम पर रहा। कार्यक्रम के मुख्य सत्र में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति प्रह्लाद पटेल उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भोपाल के चीफ जनरल मैनेजर बिनोद कुमार मिश्र, भारतीय स्टेट बैंक कॉर्पोरेट सेंट्रल मुंबई के महाप्रबंधक दिलीप एस निरखे और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भोपाल के जोनल हैड तरसेम सिंह जीरा शामिल, आईसेक्ट चेयरमैन और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, आईसेक्ट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज की निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी और आईसेक्ट के असिस्टेंट जनरल मैनेजर अनुराग गुप्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान मुख्य अतिथि प्रह्लाद पटेल ने अपने वक्तव्य में कहा कि वित्तीय समावेशन देश आर्थिक समृद्धि के लिए बेहद आवश्यक है। परंतु हमें इसे सिर्फ पैसे के लेनदेन तक सीमित नहीं मानना चाहिए, बल्कि वस्तु विनिमय और ई-कॉमर्स को भी इसका ही हिस्सा समझना चाहिए। यह आवश्यक है कि इसे ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जाए जिससे भारत की बहुतायत आबादी तक इसके लाभ पहुंच सके। इस कड़ी में आईसेक्ट और उसके केंद्रों द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है। इसके बाद संतोष चौबे ने बताया कि आईसेक्ट कौशल विकास और समाजिक उद्यमिता के साथ वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है।

हमारा यह प्रयास है कि हम लगातार अनूठी पहलों और नवाचार के जरिए आईसेक्ट से जुड़े उद्यमियों को अधिक आय के अवसर प्रदान करें और कई अन्य सुविधाओं को ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचा सकें। फिर दिलीप एस. निरखे ने वित्तीय समावेशन के पहलुओं पर बात करते हुए कहा कि आरबीआई द्वारा फाइनेंशियल इंक्लूजन का कॉन्सेप्ट 2006 में दिया गया था। चूंकि हर गांव में बैंक नहीं बनाया जा सकता था ऐसे में बैंकिंग सुविधाओं को पहुंचाना फाइनेंशियल इंक्लूजन का विशेष कार्य रहा है। इसमें आईसेक्ट के सेंटर्स द्वारा सराहनीय कार्य किया गया और हमें गर्व है कि आईसेक्ट हमारे सबसे बड़े पार्टनर में से एक है। इसी कड़ी में वक्ता तरसेम सिंह जीरा ने अपने वक्तव्य में कहा कि सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन का कार्यक्रम पीएम मोदी जी द्वारा जन धन योजना के जरिए चलाया जिसके तहत देशभर में प्रत्येक व्यक्ति का खाता खोला गया और बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ा गया। इसके बाद ही विभिन्न योजनाओं का लाभ आम नागरिक को सीधा मिलना शुरू हो पाया है। इससे पहले डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने स्वागत अभिभाषण देते हुए सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम में देशभर से पधारे उद्यमियों को आईसेक्ट के विजन और कार्यों की रूपरेखा रखी। साथ ही आईसेक्ट द्वारा कोविड के दौर में फाइनेंशियल इन्क्लूजन विभाग द्वारा लगातार किए गए कार्यों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में डॉ. अदिति चतुर्वेदी ने मिलेट्स पर प्रेजेंटेशन देते हुए खानपान में मिलेट्स को शामिल करने पर होने वाले लाभों से अवगत कराया। इसके अलावा उन्होंने रमन ग्रीन्स इनीशिएटिव के तहत आईसेक्ट द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट्स की जानकारी प्रदान की। अंत में आभार वक्तव्य अनुराग गुप्ता ने दिया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही एफआई ब्रोशर, एफआई संवाद, समर्थ बुकलेट और एफआई सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर बुकलेट का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में कार्य कर रहे देश के कई प्रतिष्ठित नाम बतौर वक्ता भी शामिल हुए जिन्होंने वित्तीय समावेशन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचारों को बौद्धिक सत्रों में रखा इसमें प्रमुख रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट पुणे के डॉ. नवीन कुमार ने फाइनेंशियल इंक्लूजन में भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराते हुए नवाचारों और नई पहलों का जिक्र किया। बीसीआरसी नई दिल्ली के सीईओ और एमडी डी. त्रिपाठी ने बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट चैनल के उभरते मुद्दे और चुनौतियों से सभी को अवगत कराया। वहीं, भोपाल एलएचओ में डीजीएम नवीन रावत ने सीएसपी-पिलर्स ऑफ इंक्लूजिव और डिजिटल इंडिया पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। इसी कड़ी में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व जनरल मैनेजर पूर्णचंद्र पाणिग्रही ने समावेशी विकास की जरूरत और इसके लिए सरकार द्वारा किए जा रहे पॉलिसी इनिशिएटिव्स पर जानकारी प्रदान की।

अर्थशिक्षण की फाउंडर प्राची कुलकर्णी ने फाइनेंशियल लिटरेसी पर प्रेजेंटेशन देते हुए इस बात को रेखांकित किया कि इसकी अवेयरनेज के लिए मूवमेंट स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है क्योंकि यह भारत को समृद्ध बनानने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कर्नाटक स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के एमडी अश्विन डी. गौड़ा ने कहा कि स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए नियमित अनुभवों के एक्सचेंज पर जोर दिया। इसके बाद के सत्रों में उद्यमियों के लिए विकास के अवसरों पर बात की गई और कई आवश्यक जानकारियां दी गईं। शाम को समापन सत्र का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि भोज विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी और आईसेक्ट के चेयरमैन संतोष चौबे उपस्थित रहे। वहीं अन्य अतिथियों में आईसेक्ट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट सिद्धार्थ चतुर्वेदी और अरविंद चतुर्वेदी, असिस्टेंट जनरल मैनेजर अनुराग गुप्ता मौजूद रहे। इस दौरान डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि आईसेक्ट का विजन बहुत बड़ा है और यह संस्थान धरातल पर काम करना जानता है। यह देश की जीडीपी की ग्रोथ के लिए ऐसे ही विजन की आवश्यकता है। आगे उन्होंने युवाओं को सफलता का मूलमंत्र देते हुए कहा कि आज का समय स्किलिंग और अपस्किलिंग का है इसलिए इस पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। साथ ही अपने काम के साथ साथ नेटवर्किंग पर भी विशेष ध्यान दीजिए तभी आप अपने लक्ष्य तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

उप सेनानी, उप पुलिस अधीक्षक, सहायक सेनानी स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण

भोपाल। राज्य शासन ने उप सेनानी, उप पुलिस अधीक्षक, सहायक सेनानी स्तर के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करते हुए अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक दूसरी जगह पदस्थ किया गया है।

श्री अरूण कश्यप (सी.सी.-11)	उप सेनानी, 6वीं वाहिनी विसबल, जबलपुर	उप सेनानी, माननीय उच्च न्यायालय, सुरक्षा जबलपुर
श्री अरविन्द सिंह सूर्या, निरी.(विसबल)-13	सहायक सेनानी .आर.ए.पी.टी.सी. इन्दौर	सहायक सेनानी, माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर, सुरक्षा
श्री पंकज कुमार शर्मा, निरी.(विसबल)-13	सहायक सेनानी, प्रथम वाहिनी, विसबल इन्दौर	सहायक सेनानी, माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर, सुरक्षा
श्री नन्द किशोर मालवीय, निरी.(विसबल)-15	उप पुलिस अधीक्षक, पी.टी. एस. उज्जैन	सहायक सेनानी, माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर, सुरक्षा
श्री अजीत कुमार शाक्य, निरी.(विसबल)-15	सहायक सेनानी 13वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर	सहायक सेनानी, माननीय उच्च न्यायालय ग्वालियर, सुरक्षा

एरोहेड म्यूजिकल ग्रुप की एक सुरमयी प्रस्तुति आज

भोपाल। संगीत जगत में ख्याति प्राप्त एरोहेड म्यूजिकल ग्रुप शनिवार को सिटी में म्यूजिकल इवेंट करने जा रहा है जिसकी पहली कड़ी दुष्यंत सभागृह, महिला पॉलीटेक्निक कालेज के पास, शिवाजी नगर, भोपाल में होगी। शनिवार को दोपहर 3 बजे से यह कार्यक्रम हो रहा है। तुम मिले दिल खिले सदाबहार गीतों के इस कार्यक्रम में अनुपमा गुप्ता, देविका राजन, जया गवाडे, सुधा गोरे, रूही, बिंदु गार्गव, ललिता मौर्या, शालिनी भारसकरे, कविता सक्सेना तथा गायक ओ पी मालवीय, गोविंद राजन, राजेंद्र शर्मा, प्रमोद गार्गव, अजय श्रीवास्तव, दीपक लिखिते, हेमंत मौर्य, राजन कटारे, ओम प्रकाश शर्मा, आशुतोष पांडे, पूरन प्रजापति, नरेंद्र कल्याण, अजय राजपूत, जितेंद्र शर्मा, राकेश अग्रोही, दीपक दीवाना, योगेश माकवे, राजेश गुप्ता, सत्यप्रकाश लाल, आर एस उबेजा, मितेश गुप्ता, मधुसूदन पचौरी फिल्मी गीतों की प्रस्तुति

भगवान शिव का किया नर्मदा जल से अभिषेक, महायज्ञ में दी आहुतियां

सीताराम नाम जप महायज्ञ में पत्नी सहित शामिल हुए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुरखी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राजघाट स्थित माँ शारदा देवी मंदिर प्रागण में चल रहे विश्व कल्याण हेतु श्री सीताराम नाम जप 1008 कुण्डीय महायज्ञ में गुरूवार को सुबह 6 बजे शिव जी का रूद्र अभिषेक किया गया जिसमें राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत अपनी धर्मपत्नि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सविता सिंह राजपूत के साथ पहुंचे जहां विधि विधान, मंत्र उच्चारणों के साथ शिव जी का रूद्र अभिषेक तद्उपरांत 12 बजे से यज्ञ शाला में सभी यजमानों के साथ राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बाल्मिकी रामायण के दौरान यज्ञ आहुतियां दी। आचार्य पीठ पर पंडित धीरेन्द्र मनीषी द्वारा सभी यजमानों से रामायण तथा श्लोकों एवं मंत्रों द्वारा आहुतियां दिलाई गईं। पंडित धीरेन्द्र मनीषी ने कहा कि किसी भी प्रकार का पाप हो बाल्मिकी रामायण के श्रवण, महायज्ञ में शामिल होने से कट जाता है। बाल्मिकी रामायण, महायज्ञ का आज प्रथम दिवस था जिसमें 1100 यजमानों ने बैठकर आहुतियां दी एवं विश्व कल्याण की कामना की। शुक्रवार को शिव जी का अभिषेक गन्ने के रस से किया जायेगा जिसको लेकर आचार्य पंडित धीरेन्द्र मनीषी ने सभी यजमानों को आवश्यक जानकारी दी एवं अंत में यज्ञ शाला पर आरती के बाद सभी यजमानों ने गुरू पूजन किया। इस अवसर पर अरविंद सिंह टिंकू राजा, कुंवर सिंह ठाकुर, राजकुमार बरकोटी, मूरत सिंह राजपूत सहित यज्ञ समिति के सदस्यों द्वारा सारी व्यवस्थाओं का निरीक्षण एवं श्रद्धालुओं के साथ पुण्य लाभ लिया।

यज्ञशाला के परिक्रमा के लिये उमणा जन शैलाब- श्री सीताराम नाम जप 1008 कुंडीय महायज्ञ की विशाल यज्ञशाला जहां 1100 यजमान बैठकर एक साथ हवन कर रहे हैं वेदों के अनुसार यज्ञशाला की परिक्रमा का महत्व बताया गया है जिसको लेकर यज्ञशाला की परिक्रमा के लिये सेकड़ों श्रद्धालु पहुंचे जिसमें कई भजन मंडलियां शामिल रहीं। भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने यज्ञ शाला की परिक्रमा की, भजन मंडलियों ने भजन गाते हुये अपनी टोलियों के साथ परिक्रमा की एवं रामायण पाठ का श्रवण किया।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किये भोजन- महायज्ञ के आयोजन में निरंतर श्रद्धालुओं के लिये भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन के लिये अलग से व्यवस्था की गई है जहां सैकड़ों श्रद्धालु रोज भोजन प्राप्त करते हैं साथ ही जो यजमान यज्ञ में बैठे हैं उनके परिजनों के लिये भी यहां भोजन की व्यवस्था की गई है। समिति के सदस्यों द्वारा भोजन प्रसादी का वितरण किया जाता है जो देर शाम तक चलता रहता है।

आत्मनिर्भर, स्वाबलंबी एफपीओ बने यही हमारा प्रयास: कुलकर्णी

अखिल भारतीय कृषक उत्पादक संगठन की शारदा विहार में कार्यशाला आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय किसान संघ के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय कृषक उत्पादक संगठन कार्यषाला का उद्घाटन गुरूवार को सरस्वती विद्या मंदिर, शारदा विहार में किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के अतिथियों के द्वारा गौमाता का पूजन व दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी ने कहा कि किसान को स्वाबलंबी, ग्राम संपन्न व समर्थ भारत बनाने के लिये कृषक उत्पादक संगठन को आत्मनिर्भर व स्वाबलंबी बनाना होगा। तभी 86 प्रतिशत लघु व सीमांत किसानों को लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य मिल सकेगा। कुलकर्णी ने कहा कि एफपीओ गांव स्तर पर विकास कार्य करने की इकाई के रूप आज सामने है। किसानों की समस्याओं का समाधान करने का सषक्त माध्यम बन रहा है। कुलकर्णी ने आगे कहा कि एफपीओ के कुशल संचालन व व्यवसायिकता गतिविधियों को बढ़ाने के लिये प्रशिक्षण जरूरी है। कार्यषाला के माध्यम से भारतीय किसान संघ इस दिषा में निरंतर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर मंच पर भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष रामभरोस बसोतिया, अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र, रोजगार आयाम प्रमुख कुमारस्वामी, प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मंच का संचालन रिषी कुमार द्वारा किया गया।

देश भर के 18 प्रदेशों के कृषक उत्पादक समूह हुये शामिल: भारतीय किसान संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चैधरी ने जानकारी देते हुये बताया कि अखिल भारतीय कृषक उत्पादक संगठन की कार्यषाला में 18 प्रदेशों के लगभग 150 एफपीओ के प्रतिनिधि सम्मिलित हुये हैं। जो दो दिन तक रहकर विषय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपनी कार्य कुशलता में वृद्धि करेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार अपराधियों पर तत्काल कार्रवाई करें: डीजीपी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न माफियाओं को नेस्तनाबूद करने के दिशा-निर्देश 9 अप्रैल को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जोनल एडीजी, आईजी, एसपी को दिए गए थे। इन दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा गुरूवार को पुलिस मुख्यालय से पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से की। इस वीडियों कांफ्रेंसिंग में सभी जोनल एडीजी,आईजी, इंदौर और भोपाल के कमिश्नर तथा सभी जिलों के एसपी/डीसीपी उपस्थित थे। डीजीपी सक्सेना ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री की मंशानसार नुसार अपराधियों तथा विभिन्न माफियाओं जैसे अवैध खनन, अवैध शराब, जुआ-सट्टा, चिटफंड माफिया, भू-माफिया, मिलावट माफिया को नेस्तनाबूद करने के लिए कठोर प्रभावशाली कदम उठाएं।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार त्वरित और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। इन समाज विरोधी तत्वों पर वैधानिक कार्यवाही सतत चलने वाली प्रक्रिया है अतः कार्यवाही इतनी सटीक और प्रभावशाली हो कि नजीर बन जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लोग अहाते बंद होने के बाद खुले में शराब न पीएं साथ ही निर्धारित स्थल के अलावा कहीं भी शराब विक्रय होने पर सख्त कार्रवाई करें

एम्स ने अस्पताल परिसर में नए सांची मिल्क पार्लर का उद्घाटन किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स अस्पताल ने अस्पताल परिसर में अपने नए सांची मिल्क पार्लर का उद्घाटन किया । पार्लर का उद्घाटन एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह ने उपनिदेशक प्रशासन कर्नल अजीत कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ शशांक पुरवार एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया ।

सांची दुग्ध पार्लर अस्पताल में रोगियों, आगंतुकों और कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के दूध और दुग्ध उत्पादों की पेशकश करेगा । पार्लर ताजा दूध, पनीर, मक्खन, घी और अन्य दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराएगा जो सभी शुद्ध और प्राकृतिक गाय के दूध से बने हैं । दूध मध्य प्रदेश के सांची डेयरी फार्म से प्राप्त किया जाता है, जो उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों के उत्पादन के लिए जाना जाता है। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, प्रो अजय सिंह ने कहा हमें एम्स भोपाल अस्पताल में सांची मिल्क पार्लर का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। पार्लर हमारे रोगियों, आगंतुकों और कर्मचारियों को ताजा और स्वस्थ दूध और दूध उत्पाद प्रदान करेगा। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि यहाँ सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद उपलब्ध हो सके। सांची मिल्क पार्लर सप्ताह के सातों दिन सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक खुला रहेगा। पार्लर अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के पास स्थित है और सभी के लिए आसानी से उपलब्ध है। सांची मिल्क पार्लर का उद्घाटन एम्स भोपाल अस्पताल में स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने और रोगियों, आगंतुकों और कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल स्वस्थ जीवन और कल्याण को बढ़ावा देने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

एम्स के डॉक्टरों ने दुर्लभ केस रिपोर्ट का प्रकाशन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में किया गया

एम्स भोपाल के डॉक्टरों की एक टीम ने डॉ. संतोष लक्ष्मण वाकोडे, विभागाध्यक्ष फिजियोलॉजी और डॉ. अमित अग्रवाल, विभागाध्यक्ष न्यूरोसर्जरी के नेतृत्व में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सर्जरी केस रिपोर्ट में बेरेटिनी एनास्टोमोसिस के एक दुर्लभ मामले का वर्णन करते हुए एक पेपर प्रकाशित किया गया है। डॉ. नवीन रवि द्वारा सह-लिखित यह पेपर 25 वर्षीय युवक के मामले का विवरण देता है, जिसे चाकू से हमले के दौरान दाहिनी मध्य तंत्रिका (नस) और फ्लेक्सर टेंडन पर आघात हुआ था ।चोट के सर्जिकल उपचार के बाद, रोगी का पुनर्वास के दौरान एक तंत्रिका चालन अध्ययन किया गया, जिसमें संयोग से पता चला कि तंत्रिका हाथ की तर्जनी उंगली के संवेदीकरण के लिए उत्तरदायी है। NCS के निष्कर्षों से स्पष्ट हुआ कि 2,3, 4 और 5 वीं अंगुलियों की संवेदी आपूर्ति lnar तंत्रिका द्वारा प्रदान किए जा रहे थे। बेरेटिनी एनास्टोमोसिस का यह रूप, जहां lnar तंत्रिका तर्जनी को संवेदीकरण प्रदान करती है, अत्यंत दुर्लभ है और मेडिकल साहित्य में सामान्य रूप से नहीं देखने को मिलता है। डॉक्टरों ने नोट किया कि हथेली में शाखा क्रॉसओवर संचार के पर्याप्त ज्ञान के बिना, नैदानिक निष्कर्षों के गलत निदान और एनसीएस सुविधाओं की गलत व्याख्या की संभावना है। मामला तंत्रिका आघात के सटीक निदान और प्रबंधन के लिए तंत्रिका शरीर रचना और इलेक्ट्रो-डायग्नोस्टिक परीक्षण के गहन ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालता है ।

स म्पा द की य

नक्सली हिंसा... सोचना तो पड़ेगा

हिंसा तो हिंसा ही होती है, भले ही वो किसी भी उद्देश्य से की गई हो। नक्सलियों का मामला भी ऐसा ही है। वो समाज में असमानता दूर करने के लिए ऐसा रास्ता चुनने की बात करते हैं, लेकिन लंबे समय से केवल हिंसा ही उनका माध्यम बना हुआ है। और इसमें वे भोले भाले ग्रामीणों को भी शामिल कर लेते हैं, जो बाद में मारे भी जाते हैं।

अभी छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमला ऐसे समय में हुआ, जब केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर यह दावा किया जाने लगा था कि राज्य में माओवादियों के प्रभाव में भारी कमी आई है। इसलिए यह हमला नक्सलियों की ओर से यह बताने की हताशा भरी कोशिश हो सकती है कि वे अभी खत्म नहीं हुए हैं और बड़े हमलों को अंजाम दे सकते हैं। हालांकि पिछले कुछ समय का रिकार्ड देखा जाए तो इसमें दो राय नहीं कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में नक्सलियों का असर कम हुआ है। न केवल उनके कई नेता पुलिस के हत्थे चढ़े हैं बल्कि उनकी गतिविधियों का दायरा भी सीमित हुआ है।

फिर भी, माओवादियों की ओर से किया गया यह हमला उस आत्मविश्वास पर सवाल खड़ा करने में कुछ हद तक सफल जरूर हुआ है, जो पिछले कुछ समय की स्थितियों से बनता जा रहा था। इसलिए यह और जरूरी हो जाता है कि इस हमले से जुड़े तमाम पहलुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए यह देखा जाए कि कौन-कौन से बिंदु ऐसे हैं, जहां गुंजाइश रह गई थी। शुरुआती सूचनाओं में ऐसे कई बिंदु उभरते नजर आते हैं। स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर (एसओपी) के उल्लंघन से लेकर ह्यूमन इंटेलिजेंस की नाकामी तक ऐसे तमाम पहलुओं की ठीक से जांच होनी चाहिए ताकि आगे के लिए सही सबक लिए जा सकें। तात्कालिक पहलुओं के साथ ही एक दीर्घकालिक मसला यह भी है कि समाज में माओवाद को लेकर किस तरह का नजरिया बन रहा है।

इस बारे में हालांकि बातें होती रहती हैं, लेकिन दोहराव का खतरा उठाते हुए भी यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि हिंसा या बंदूक के लिए लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं होता। बंदूक जहां कहीं भी हो, वह सबसे पहले संवाद की संभावना खत्म करती है। लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि बंदूक के हटते ही बातचीत की राह खुल जाती है। यह लोकतंत्र के हक में है कि हिंसा के दायरे से बाहर समाज के हर तबके से संवाद न केवल संभव हो अपितु हर संभव उपाय अपनाया जाए।

जैसे बागियों के लिए चंबल का इलाका था, उससे कहीं कठिन भौगोलिक सरंचना छत्तीसगढ़ के उन इलाकों की है, जो नक्सिलयों को छिपने, साजिश रचने और उसे अंजाम तक पहुंचाने के लिहाज से काफी मुफीद है। पहाड़ों से घिरे इस प्रदेश में बड़े चुनौतीपूर्ण पठारी इलाके भी हैं। बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे इलाकों में सुरक्षा बलों के कैंप लगाने के बावजूद इनका सफाया नहीं हो पाया है। उनकी सबसे बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसा पैदा करने की रही है। पुलिस-प्रशासन को अच्छे से पता है कि बच्चे से लेकर जवान और बूढ़े तक, क्या पुरुष और क्या महिलाएं, सभी माओवादियों के लिए काम करते हैं। वो नक्सलियों को सुरक्षा बलों की हर गतिविधि से अवगत करवाते हैं। यह सब नक्सलियों की तरफ से दशकों तक आम लोगों की ब्रेन वॉशिंग किए जाने का नतीजा है।

जब बड़े पैमाने पर अभियान छेड़े जाते हैं तो उनकी भनक नक्सलियों को तत्काल लग ही जाती है। अचानक सुरक्षा बलों की आवक से ग्रामीण पूरा माजरा समझ जाते हैं और सारी सूचना नक्सलियों तक पहुंच जाती है। इस कारण वो सुरक्षा बलों के अभियान के खिलाफ अपनी पूरी ताकत से लड़ पाते हैं। तब केवल नक्सली ही नहीं, सुरक्षा बलों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ता है। दूसरी तरफ, नक्सल इलाकों में पहुंचना अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती है। जवानों को उतने उतार-चढ़ाव भरे सघन जंगलों में 30 किलो से भी ज्यादा वजन के साथ 25-30 किमी पैदल चलना। अभियान के वक्त सीआरपीएफ, कोबरा, छत्तीसगढ़ पुलिस, एसटीएफ और डीआरजी के बीच समन्वय और संतुलन बनाए रखने की भी बड़ी चुनौती होती है।

तमाम चुनौतियों के बावजूद सुरक्षा बल नक्सलियों के खिलाफ मोर्चा खोले रहते हैं। यह बड़ी बात है। लेकिन जो सबसे अहम मुद्दा है, वो नक्सलवाद को समाप्त करने का है। इसकी शुरुआत कहीं न कहीं सामाजिक असमानता से होती है। और यह असमानता हर दौर में कम होती नहीं दिखती। सामाजिक के साथ ही इस दौर में तो आर्थिक असमानता की खाई और बढ़ती दिख रही है। यह असमानता अराजकता को बढ़ाती है। और अराजकता फिर कोई ऐसी धारा देखती है, जिसे नक्सलवाद भी कह सकते हैं। नक्सलियों के दो हिस्से होते हैं, एक विशुद्ध रूप से लड़ाके, जो जंगलों में रहते हैं। और दूसरे समाज में रहकर लोगों को इस धारा से जोड़ने का काम करते हैं। ये शहरों में रच-बस गए हैं। इन्हें पहचानना मुश्किल होता है, क्योंकि ये हिंसा की बात नहीं करते। ये तो विरोध और विद्रोह की बात करते हैं। इसीलिए शायद नक्सलवाद खत्म होते-होते, अचानक सिर उठा लेता है। इसके लिए समाज और सरकार, दोनों ही स्तर पर सोचने, असामनता कम करने के साथ ही लोग हिंसा से कैसे दूर रहें, इसके प्रयास भी करने होंगे।

झूठ बोले कौआ काटे! श्रद्धालुओं को मालूम ज्ञानवापी का सच

रामेन्द्र सिन्हा

काशी-विश्वनाथ मंदिर परिसर में ज्ञानवापी ढांचे की असलियत पर जहां सर्वोच्च न्यायालय और वाराणसी जिला अदालत में सुनवाई जारी है, वहीं दिन-प्रतिदिन हजारों की संख्या में काशी-विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के गले से नीचे यह बात नहीं उतरती कि विशाल नंदी ज्ञानवापी ढांचे की तरफ मुंह करके सदियों से क्यों विराजे हुए हैं? उन्हें लगता है कि पिछले साल 2022, 16 मई को सर्वे में वजूखाने में शिवलिंग मिलने के बाद ज्ञानवापी का सच उजागर हो चुका है।

ज्ञानवापी मामले से जुड़े हिंदू पक्षकारों ने नंदी की मूर्ति को तो सबसे बड़ा गवाह बनाया ही है, काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का भी पौराणिक संदर्भों की तरह मानना है कि नंदी का चेहरा हमेशा शिवलिंग की ओर होता है। इस्लामिक-राज में मूल मंदिर का ध्वंस करके उसी मलबे से मस्जिद का रूप दिया गया, और तब से मुसलमान यहां नमाज अदा कर रहे हैं। जबकि, सदियों से नंदी उस दरवाजे को देख रहे हैं, जो उसके स्वामी के अधीन है, जिनके विधिवत् प्रकट होने का इंतजार है।

तो, ये नंदी की क्या कहानी! शिवपुराण की कथा के अनुसार पुरातन काल में एक थे शिलाद मुनि। वे ब्रह्मचारी हो गए और उन्हें इस बात की चिंता थी कि कहीं वंश का अंत न हो जाए। शिलाद मुनि ने इंद्रदेव से संतान की कामना की और जन्म-मृत्यु से परे पुत्र का आशीर्वाद मांगा। लेकिन इंद्र ने यह आशीर्वाद देने में असमर्थता दिखाई और उनसे भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कहा। शिलाद मुनि की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने स्वयं को शिलाद के पुत्र के रूप में प्रकट होने का आशीर्वाद दिया और नंदी के रूप में प्रकट हुए।

पौराणिक कथा के अनुसार, जब देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन हुआ, तो भगवान शिव ने हलाहल पीकर विश्व को बचाया, विष की कुछ बूंदें जमीन पर भी गिरीं, जिसे नंदी ने अपनी जीभ से चाट लिया। नंदी के इस समर्पण भाव को देखकर भगवान शिव ने उन्हें अपने सबसे बड़े भक्त की उपाधि दी और आशीर्वाद दिया कि लोग नंदी को उनके दर्शन से पहले देख सकेंगे। भोलेनाथ के दर्शन करने से पहले नंदी के कान में अपनी इच्छा कहने की परंपरा है। हर शिव मंदिर में शिव के सामने नंदी की स्थापना की जाती है।

कहा जाता है कि अप्रैल 1669 में औरंगजेब के फरमान के बाद मुगल सेना ने आदि विश्वेश्वर का मंदिर ध्वस्त करने के साथ ही मंदिर के बाहर स्थपित विशाल नंदी की प्रतिमा को भी तोड़ने का प्रयास किया था लेकिन सफल नहीं हो पाए। यह प्रतिमा आज भी ज्ञानवापी ढांचे (मूल काशी विश्वनाथ मंदिर) की तरफ है। मुगल हमले के बाद पुजारियों ने ज्ञानवापी परिसर के बगल में दोबारा शिवलिंग की स्थापना कर पूजा पाठ शुरू किया। यहीं, वर्तमान काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण महारानी अहिल्याबाई ने 1780 में कराया था।

कानूनी विवाद में फंस कर ज्ञानवापी कूप और नंदी वर्तमान काशी-विश्वनाथ मंदिर प्रांगण से बाहर हो गए थे। मार्च 2021 में 352 साल बाद इतिहास पुनर्स्थापित हुआ और पौराणिक ज्ञानवापी कूप तथा विशाल नंदी वर्तमान मंदिर परिसर का हिस्सा बन गए। बता दें कि ज्ञानवापी परिसर में कराए गए सर्वे के दौरान वजूखाने से शिवलिंग निकला था, जिसे मस्जिद पक्ष फव्वारा बताता है।

काशी-विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी ढांचे का मामला 1936 मे कोर्ट भी पहुंचा था। तब मुस्लिम पक्ष ने पूरे परिसर को मस्जिद करार करने की अपील भी की थी। बताया जाता है कि 1937 मे वाराणसी ज़िला अदालत ने मुस्लिम पक्ष की अपील को खारिज करते हुए कहा था कि ज्ञानवापी कूप के उत्तर मे ही भगवान विश्वनाथ का मंदिर है क्योंकि कोई दूसरा ज्ञानवापी कूप बनारस में नहीं है। जज ने ये भी लिखा कि एक ही विश्वनाथ मंदिर है जो ज्ञानवापी परिसर के अंदर है।

इतिहासकार अनंत सदाशिव अलतेकर की 1937 मे प्रकाशित '।द्वह्यह्लश्वह्य4 ह्द्ध क्ष्ठ्ठह्लद्धह्य' पुस्तक में भी कहा गया है कि मस्जिद के चबूतरे पर स्थित खंबों और नक्काशी को देखने से प्रतीत होता है कि ये 14वी-15वी शताब्दी के हैं। विश्वनाथ मंदिर, बार-बार गिराए जाने का उल्लेख, विद्वान नारायण भट्ट ने अपनी किताब 'त्रिस्थली सेतु' मे भी किया है। ये किताब संस्कृत मे 1585 मे लिखी गई थी। वहीं इतिहासकार डा. मोतीचंद ने अपनी किताब 'काशी का इतिहास' मे लिखा है कि मंदिर केवल गिराया ही नहीं गया उस पर ज्ञानवापी की मस्जिद भी उठा दी गई। इसमें अब भी पुराने खंभे लगे हैं।

झूठ बोले कौआ काटे: दिलचस्प है कि ब्रिटिश वास्तुकार, योजनाकार और मानचित्रकार जेम्स प्रिंसेप ने 1820-1830 के बीच प्रोजेक्ट विश्वेश्वर के प्राचीन मंदिर की योजना के अंतर्गत जो नक्शा तैयार किया था, उसमें कहीं भी मस्जिद का ज़िक्र नहीं है। हर जगह, मंदिर बताया गया है और इस नक्शे के अनुसार, मंदिर प्रांगण के चारों कोनो पर तारकेश्वर, मनकेश्वर, गणेश और भैरव मंदिर दिख रहे है। बीच का हिस्सा गृभगृह है जहां शिवलिंग स्थापित है और उसके दोनो तरफ शिव मंदिर भी दिखते हैं।

और जो बिंदीदार रेखा है, इसके बारे मे कहा जाता है की ये आज की मस्जिद की सीमा रेखा है। पुराने नक्शे मे आपको शिवलिंग दिखाया जा रहा है। लेकिन, वर्तमान स्थिति में शिवलिंग, मस्जिद परिसर के अंदर दिखता है। प्रश्न उठना स्वाभाविक है है कि नंदी मस्जिद की तरफ क्यों देख रहे हैं जबकि काशी विश्वनाथ मंदिर तो उनके पीछे स्थित है। नंदी तो सदैव शिवलिंग की तरफ ही देखते हैं।

दावा यह भी किया जाता है कि जब औरंगजेब ने मंदिर तोड़ने के बाद वहीं पर मस्जिद बनाने का फरमान दिया था तब मंदिर के गर्भगृह को ही मस्जिद का मुख्य कक्ष बनाने की योजना बनाई गई थी। इस योजना के अनुसार पश्चिम के दोनों छोटे मंदिर और श्रृंगार मंडप तोड़ दिए गए और गर्भगृह का मुख्य द्वार जो पश्चिम की तरफ था उसे चुन दिया गया। ऐश्वर्य मंडप और मुक्ति मंडप के मुख्य द्वार बंद कर दिए गये और मंदिर का यही भाग, मस्जिद की पश्चिमी दीवार बन गया। मंदिर की पश्चिमी दीवार को ऐसे ही टूटी स्थिति मे इसलिए रख दिया गया क्योंकि औरंगजेब चाहता था कि हिन्दू समाज को अपमानित महसूस करती रहे। मस्जिद के पीछे श्रृंगार गौरी की पूजा अभी भी की जाती है।

कोर्ट-कचहरी, कानूनी दावपेंच एक तरफ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट काशी-विश्वनाथ धाम एक तरफ। इसका पुनरुद्धार 800 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से हुआ है। इसमें श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। प्राचीन मंदिर के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए 5 लाख 27 हजार वर्ग फीट से ज्यादा क्षेत्र को विकसित किया गया है।

काशी-विश्वनाथ मंदिर का क्षेत्रफल पहले 3,000 वर्ग फीट था। लगभग 400 करोड़ रुपए की लागत से मंदिर के आसपास के 300 से अधिक निर्माणों को खरीदा गया। इसके बाद 5 लाख वर्ग फीट से ज्यादा जमीन में लगभग 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से निर्माण किया गया।

काशी-विश्वनाथ शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित है। मान्यता है कि उनकी स्थापना किसी व्यक्ति या देवता द्वारा नहीं हुई बल्कि यहां पर उनका स्वयं प्राकट्य हुआ है। काशी में महादेव साक्षात् रूप में वास करते है। कहा जाता है कि बाबा विश्वनाथ के मंदिर का निर्माण 11वीं सदी में राजा विक्रमादित्य ने करवाया था। यहां पर भगवान शिव वाम रूप में मां भगवती के साथ विराजमान हैं।

मान्यता है कि काशी, बाबा भोले के त्रिशूल पर टिकी हुयी है। प्रलय के समय भी इस नगरी का विनाश नहीं होगा। 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ मणिकर्णिका भी यहीं काशी में स्थित है। यहां देवी के दाहिने कान की मणि गिरी थी।

ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर के दर्शन और गंगा में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। गंगा तट पर नित्यप्रति सूर्यास्त के पश्चात् शंखनाद, घंटी, डमरू की आवाज और मां गंगा के जयकारे के बीच नयनाभिराम आरती होती है। यह आरती 45 मिनट तक की जाती है। देश के कोने-कोने और विदेशों से आए श्रद्धालु-पर्यटक गंगा आरती करने और देखने आते हैं।

प्रसिद्ध अमरीकी लेखक मार्क ट्वेन लिखते हैं, बनारस इतिहास से भी पुरातन है, परंपराओं से पुराना है, किंवदंतियों (लीजेन्ड्स) से भी प्राचीन है और जब इन सबको एकत्र कर दें, तो उस संग्रह से भी दोगुना प्राचीन है। सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई अगस्त में तो वाराणसी जिला न्यायाधीश के यहां इसी 3 मई को है। तो, क्या अब अयोध्या के बाद काशी की बारी है! नंदी की प्रतीक्षा समाप्त होगी!!

और ये भी गजब: काशी-विश्वनाथ धाम के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण तकनीकी भूमिका निभाने वाले इन्नोवेटिव मोटिव मीडिया के डिप्टी सीइओ आलोकदीप बताते हैं कि ऐसी मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ के इस पावन धाम की रक्षा खुद काल भैरव कहते हैं, जिन्हें काशी का कोतवाल कहा जाता है, जिनके दर्शन के बगैर इस ज्योतिर्लिंग की पूजा अधूरी मानी जाती है। वे कहते हैं कि महादेव के दर्शन के साथ रूद्रभिषेक पूजा का सुअवसर प्राप्त हो जाए तो सोने में सुहागा। ऐसे में काशी-विश्वनाथ धाम के गेट नंबर 2 से सटे श्री श्री सत्यनारायणजी व मां अन्नपूर्णा मंदिर में आलोकदीप के सहयोग से 16 श्रद्धालुओं के हमारे समूह को न केवल विश्राम का स्थान मिला बल्कि सामूहिक रूद्राभिषेक पूजन की दिव्य व्यवस्था का लाभ भी। 1887 में स्थापित इस मंदिर के न्यासी हैं ललित कुमार बागला।

रुद्राभिषेक के पीछे एक पौराणिक कथा है। कथा के अनुसार, भगवान ब्रह्मा अपने जन्म का कारण का जानने के लिए भगवान विष्णु के पास पहुंचे थे। तब भगवान विष्णु ने कहा कि आपकी उत्पत्ति मेरी नाभि से हुई है लेकिन ब्रह्माजी यह मानने को तैयार ही नहीं थे। इसलिए दोनो में भयंकर युद्ध हुआ। विष्णु और ब्रह्माजी के युद्ध से नाराज होकर भगवान रुद्र ने ज्योतिर्लिंग रूप में अवतार लिया। तब बिष्णुजी और ब्रहमाजी ने निश्चय किया कि जो कोई भी इसके अंतिम भाग को स्पर्श कर लेगा, वही परमेश्वर साबित होगा। तब ब्रह्माजी हंस बनकर लिंग के आगे के भाग को ढूंढने लगे और विष्णुजी वराह बनकर लिंग के नीचे की ओर ढूंढने लगे। हजारों सालों तक कोई भी उस लिंग का अंत ना पा सका। लिंग का आदि और अंत भगवान ब्रह्मा और विष्णु को कहीं पता नहीं चला तब दोनो ने हार मान ली। भगवान ब्रह्मा और विष्णु ने मिलकर लिंग का अभिषेक किया, तब भगवान शिव प्रसन्न हुए। तब से रुद्राभिषेक का आरंभ हुआ था। ऐसा कहा जाता है कि एकमात्र सदाशिव रुद्र के पूजन से सभी देवताओं की पूजा स्वत-हो जाती है।

नहीं बदलता सत्ता का चरित्र

राकेश अचल

दुनिया में सत्ता का चरित्र न कभी बदला है और न शायद कभी बदलेगा। सत्ता पाकर किसे मद नहीं होता? भरत जैसे बिरले ही होते हैं। मामला बिहार में पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई का हो या पुलिस अभिरक्षा में पूर्व सांसद अतीक अहमद के मारे जाने का या दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रूपये खर्च करने का। सबमें सत्ता की मादकता साफ़ झलकती है।

सत्ता सर्वशक्तिमान होती है। वो जो चाहे कर सकती है. कोई क़ानून,कोई अदालत उसके ऊपर नहीं होती। ये पहले भी प्रमाणित हुआ है और आज भी प्रमाणित हो रहा है । देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ,हो राजीव गांधी हों ,अटल बिहारी बाजपेयी हों, नरेंद्र मोदी हों या फिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उर्फ़ सुशासन बाबू हो या मिस्टर क्लीन अरविंद केजरीवाल । सत्ता में पहुंचकर सबके चरित्र कमोवेश एक जैसे हो जाते हैं। सत्ता जो चाहे कर सकती है,करा सकती है। कोई उसका हाथ नहीं पकड़ सकता।

साल 1994 को गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैय्या की हत्या में पूर्व सांसद आनंद मोहन का नाम आया.था। इस मामले में 2007 में कोर्ट ने उन्हें सजाए मौत की सजा सुनाई थी. हालांकि, बाद में यह सजा आजीवन कारावास में बदल गई थी. आनंद मोहन को न तो हाईकोर्ट से राहत मिली और न ही सुप्रीम कोर्ट से. 15 सालों तक सजा काटने के बाद आनंद मोहन अब नीतीश सरकार के एक फैसले से रिहा हो गए हैं, जिसके बाद सियासत तेज हो गई है। आनंद मोहन के साथ दो दर्जन दुसरे कैदी भी रिहा किये गए। सरकार ने आनंदमोहन को रिहा करने के लिए जेल मेन्युअल में संशोधन किया। अदालत सजा दे और सरकार सजायाफ्ता को रिहा कर दे तो आप ही बताइये की कौन बड़ा हुआ ?

आनंद मोहन की रिहाई से बिहार में जेडीयू को राजनीतिक लाभ हो सकता है,होगा ही लेकिन डॉ राम मनोहर लोहिया की आत्मा रुदन करेगी। क्योंकि घोषित और सजायाफ्ता हत्यारे को रिहा करने का पाप लोहिया के शिष्य ने किया है। लोहिया का इसमें कोई दोष नहीं,दोष नीतीश बाबू का भी नहीं है । दोष सियासत का है। जो बेरहम है,नृशंस है ,निर्मोही है। बिहार में राजपूतों की राजनीति को साधने के लिए यदि आज आनंद मोहन को रिहा किया जा सकता है तो आने वाले दिनों में दूसरी जातियों के अपराधी भी इसी बिना पर रिहा किये जा सकते हैं।

बिहार में आनंद मोहन की जरूरत सत्ता को थी इसलिए उन्हें रिहा करने के लिए कानून बदल दिए गए । लेकिन उत्तर प्रदेश में पूर्व सांसद अतीक अहमद की सत्ता को जरूरत नहीं थी इसलिए उसका बेहद आसान तरीके से दिन -दहाड़े खात्मा भी करा दिया गया। अतीक भी आनंद मोहन की तरह हत्यारा और आतंक का प्रतीक था। पुलिस अभिरक्षा में था ,लेकिन सत्ता के किसी काम का नहीं था इसलिए मारा गया। वो भी यदि किसी जातीय समीकरण में यूपी की सत्ता के काम का होता तो शायद उसे भी बचाया जा सकता था।

सवाल ये है कि बेलगाम सत्ता के ऊपर अब देश में कौन है? देश की बड़ी यानि सबसे बड़ी अदालत भी सत्ता के बर्बर शक्ति प्रदर्शन को ख़ामोशी के साथ देख रही है । उसमें इतनी तथा नहीं है कि वो अपनी तरफ से किसी भी सरकार के कान ऐंठ सके। सवाल कर सके कि आखिर क़ानून से खिलवाड़ हो कैसे रहा है? देश की छोटी-बड़ी अदालतें भी अपनी सीमा रेखा जानतीं हैं इसलिए उसी में रहकर काम करतीं है,वरना उनके भी लत्ते लिए जा सकते है। केंद्रीय क़ानून मंत्री किरण रिजिजू तो एक आरसे से यही सब कर भी रहे हैं।

बहरहाल बात सत्ता के निरंकुश होने की है। बिहार से बाहर निकलकर दिल्ली में भी सत्ता का ये ही चरित्र है । दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपने एक सहयोगी मनीष सिसोदिया को जेल भिजवा दिया। अब उनके ऊपर अपने सरकारी बंगले की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रूपये खर्च करने का आरोप है। आरोप हर समय गलत नहीं होता। इस समय भी ये गलत नहीं दिखाई दे रहे, लेकिन कोई करे भी तो क्या करे? दोष अरविंद केजरीवाल का नहीं सत्ता का है। अरविंद केजरीवाल कोई कर्पूरी ठाकुर कैसे हो सकते हैं? एक मुख्यमंत्री को झोपड़ी में थोड़े ही रहना चाहिए। उसका आवास कम से कम महल जैसा तो दिखना ही चाहिए।

सत्ता का दुरूपयोग करने वालों को न कोई रोक सकता है और न कोई सजा दे सकता है ,क्योंकि ऐसा करने वाले भी तो ऐसा ही करते हैं जैसा अरविंद केजरीवाल या नीतीशकुमार या आदित्यनाथ ने किया है।

सत्ता अब ऐसा हाथी है जिसका न कोई महावत है और जिसे रोकने के लिए कोई अंकुश ही है। निरंकुश सत्ता को केवल जनादेश से रोका जा सकता है ,लेकिन अब जनादेश भी खरीदा और बेचा जाने लगा है। ऐसे में सत्ता के निरंकुश हाथी को रोकने के नए उपायों पर विचार किया जाना चाहिए ,अन्यथा पानी सिर के ऊपर होगा। सिर के ऊपर पानी का जाना जानलेवा होता है। सत्ता को नशामुक्ति केंद्र में भी नहीं भेजा जा सकता। इसलिए भगवान ही सबका मालिक है । वो ही सद्बुद्धि दे सकता है सत्ताधीशों को। भाजपा और नरेंद्र मोदी को रोकने के लिए यदि नीतीश बाबू को हत्यारों की जरूरत है तो बेहतर हो कि वे अभियान को छोड़ कर भाजपा में ही शामिल हो जाए । देश की आँखों में धूल न झोंकें।

हे ! मतदाता किसी ने आपको सोचने से मना नहीं किया है

-राकेश दुबे

डॉन अतीक अहमद के मारे जाने से अन्य कई जरूरी मुद्दे छिप गए हैं या यूं कहा जाये कि छिपा दिए गए हैं। अतीक अहमद माफ़िया था परंतु साथ ही यह भी सच है कि वह एक चुना हुआ सांसद था। और उसी फूलपुर सीट से , जहां से देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू चुनकर आये थे ।उद्देश्य नेहरू जी और अतीक की कोई बराबरी नहीं है दोनों जनता की ताकत से चुने जाते थे,यही ताक़त सवालों की जद में है? नेहरू जी विद्वान, शिक्षित और दूरदर्शी थे वहीं उनके मतदाता कम पढ़े-लिखे रहे होंगे क्योंकि इस वक्त शिक्षा का स्तर आज की तरह नहीं था और न ही उस वक्त सभी बच्चों की स्कूल तक पहुंच थी। फिर भी उस वक्त जनता ने उस विज़न को चुना जो देश को तरक्की की ओर ले गया, जिस सोच ने वर्तमान विकसित भारत को गढ़ा और जिस विचारधारा ने न केवल भारत बल्कि विदेशी जमीन पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। वहीं अतीक के केस में यह सब नहीं है।

हां, इतना जरूर है कि नेहरू जी के तत्कालीन मतदाताओं की ही वर्तमान पीढ़ी अतीक की समर्थक है। यह सच है कि ये पीढ़ी पढ़ी-लिखी है परंतु तार्किकता और बौद्धिक निर्णय लेने में उस पीढ़ी से कमतर ही मानी जायेगी। जरा सोचें कि मतदाता का कर्तव्य क्या होता है और मतदाता कौन होता है? दरअसल, एक लोकतांत्रिक देश में अपनी पसंद का नेता चुनने वाला मतदाता ही होता है जिसके पास यह ताक़त होती है कि वह अपने एक वोट की ताकत से सत्ता-परिवर्तन कर सकता है। परंतु अगर यही मतदाता महज सम्प्रदाय, भाषा या किसी लालच के चलते बाहुबलियों, दुराचारियों या माफियाओं को चुनकर सत्ता तक भेजता है तो देश की इस हालत के लिए वह बराबर का दोषी है। वोटर की ऐसी गलती से वर्तमान ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी प्रभावित होती हैं। वजह यह कि जनता अपराधियों को चुनकर जब सत्ता पर काबिज़ करेगी तो विज्ञान, इतिहास, भूगोल, पर्यावरण, नैतिकता और मूल्यों का हनन ही होगा। अपराधी मनुष्य अपने कृत्यों से समाज का नुकसान ही करता है।

वोट देने से पहले उम्मीदवार की शैक्षिक योग्यता, नैतिक मूल्य, वैचारिक रुझान और सेवा भाव वाले पक्ष को देखना-समझना जरूरी है न कि केवल धार्मिक पक्ष को। परन्तु पिछले कुछ दशकों से देश की राजनीति की धुरी में धार्मिक स्थल और उनसे जुड़े मुद्दे ज्यादा हावी रहे हैं। धर्म-मजहब के नाम पर हिंसा का माहौल और सरकारों का बनना-

बिगड़ना इस बात को इंगित करता है कि विकास की सही दिशा को छोड़ हम पीछे की तरफ जा रहे हैं। धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला है और घर की दहलीज पार करते ही कोई भी इंसान संकीर्ण व्यवहार न करे तो ज्यादा अच्छा है। क्योंकि धर्म के नाम पर कट्टर होना पूरे समाज के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। धर्म तो मुहब्बत, परोपकार, दया और करुणा सिखाता है। इसके विपरीत जब धर्म की आड़ में हिंसा होने लगे तो यह उस व्यक्ति समेत पूरे समाज व राष्ट्र को प्रभावित करता है। इसलिए मतदाता को यह भली-भांति समझना होगा कि जो उम्मीदवार केवल धर्म का सहारा लेकर उसके पास वोट मांगने आये उसे उसी समय वापस भेज दो और वोट देकर सत्ता तक पहुंचने में उसकी मदद न की जाये। ऐसे भी उदाहरण हैं कि हमारे कई माननीय अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए उच्च संस्थानों में भेजते हैं और मंचों से भाषण देकर गरीब, वंचित वर्ग के लोगों के बच्चों को दंगई बनाने में कहीं न कहीं उनकी भूमिका पायी जाती है। इसलिए वोट देते वक्त उम्मीदवार की पृष्ठभूमि जरूर पता होनी चाहिए। धर्म-मजहब के नाम पर लड़ने वाले आम कार्यकर्ता के बच्चे क्या इससे पेट भर पाएंगे यह वोट देने से पहले सोचना चाहिए। मतदाता को तार्किक होना जरूरी है न कि किसी दल के प्रति श्रद्धा भाव रखने वाला क्योंकि इससे वह अपने राजनैतिक आका को आत्ममुग्ध बना सकता है जो स्थिति राष्ट्र के विकास में बाधक साबित होती है। हर पांच साल में जब नेता वोट मांगने निकले तो जनता को अपने सवालों के जवाब मांगने चाहिए कि इन पांच सालों में उसने उनके लिए क्या किया। मौजूदा समय में यह बहुत जरूरी है जब सारी दुनिया आर्टिफिशियड्डल इंटेलिजेंस आदि तकनीकी के बल पर बहुत आगे निकल चुकी है और हम आज भी पूजा-इबादत स्थलों के फेर में ही उलझे हैं।

ऐसे वक्त में जब टेक्नॉलोजी ने मानव सभ्यता को असम्भव-सी लगने वाली चीजों से भी परिचित करवा दिया है हम आज भी किसी उम्मीदवार को महज इसलिए वोट दे देते हैं कि उसने संप्रदाय विशेष का चोगा पहना हुआ है। मतदाता अपनी जिम्मेदारी अगर सही से समझ जाएगा तो नाटकीयता से युक्त लोगों को कभी भी सत्ता के आसपास नहीं फटकने देगा। इसी प्रकार यदि कोई भी पार्टी किसी अपराधी को टिकट देती है तो वह इसके लिए जिम्मेदार होती है लेकिन अगर वह अपराधी चुनकर संसद तक जाता है तो इसमें उस जनता की भागीदारी भी बराबर की होती है जो उसे वोट देती है। इसलिए एक जिम्मेदार मतदाता को तार्किक और ईमानदार होना जरूरी है क्योंकि उसके एक बटन दबाने का फैसला उसकी आने वाली नस्लों को भी प्रभावित करने की ताकत रखता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

राज्यपाल द्वारा रायसेन कलेक्टर हुए सम्मानित

ओबैदुल्लागंज। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत रायसेन जिले द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर राजभवन भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा कलेक्टर श्री अरविंद दुबे को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान अंतर्गत रायसेन जिले में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजभवन भोपाल में आयोजित निक्षय सम्मान समारोह में महामहिम राज्यपाल द्वारा कलेक्टर श्री अरविंद दुबे को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सामूहिक स्तर पर क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम चलाकर जनभागीदारी बढ़ाते हुए पूरे देश में निक्षय मित्र कार्यक्रम के जरिए टीबी को देश से खत्म किया जाने की पहल की गई है। इस अभियान के तहत निक्षय मित्र बनने वाले व्यक्ति, मरीजों का पोषण, डायग्रोस्टिक और रोजगार में मदद कर उनसे सच्ची मित्रता निभा सकते हैं। रायसेन जिले में 123 निक्षय मित्र बनाए गए हैं, जिनमें जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी तथा आम नागरिक भी शामिल हैं। इन निक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों को पोषण सहायता हेतु 894 फूड बॉस्केट का वितरण किया गया है।

प्रभारी मंत्री बाजीराज पेशवा प्रथम की 283वीं पुण्यतिथि समारोह में होंगे शामिल

खरगोन ।। प्रदेश के कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटल 28 अप्रैल शुक्रवार को जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मंत्री श्री पटेल शुक्रवार को नर्मदा नगर से प्रस्थान कर प्रातः9:45 बजे रावेखेड़ी पहुंचेंगे। यहां मंत्री श्री पटेल श्रीमंत बाजीराज पेशवे प्रथम की 283वीं पुण्यतिथी समारोह कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम पश्चात मंत्री श्री पटेल अन्य स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद मंत्री श्री पटेल इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे।

विश्व मलेरिया दिवस पर शिवपुरी सम्मानित

शिवपुरी - जिले में मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारी पर नियंत्रण करने पर जिले को राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त हुआ है।जिले में मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता का परिणाम है कि जिले में मलेरिया के केस साल दर साल कम हो रहे है। विश्व मलेरिया दिवस पर राज्य मुख्यालय भोपाल में भारत सरकार के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक सहित राज्य स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों, अपर संचालक, राज्य कार्यक्रम अधिकारी एवं अन्य विभागीय शाखाओं के उपसंचालक भी उपस्थित रहे। जिसमे शिवपुरी जिले को मलेरिया के प्रति जागरूकता लाने के लिए सम्मानित किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.संजय रिशेश्वर ने बताया कि शिवपुरी जिले में पिछले कुछ सालो में मलेरिया के मामलों मे निरंतर गिरावट आई है। इस उपलब्धि में मलेरिया विभाग के साथ-साथ गोदरेज सीएसआर के सहयोग से फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा संचालित एम्बेड परियोजना का आई.ई.सी, बी.सी.सी., आशा प्रशिक्षण, मच्छरो के नियंत्रण, मच्छरदानी का लगातार उपयोग एवं मलेरिया रोगियों के पूर्ण उपचार को सुनिश्चित करने में स्वास्थ्य विभाग को सहायता प्रदान की जा रही है। इस उपलब्धि में एम्बेड परियोजना का भी महत्वपूर्ण योगदान हैं।

बस आपरेटर संघ ने रेल प्रारंभ होने पर सांसद का आभार जताया

सिवनी– प्रायवेट बस आपरेटर संघ सिवनी ने जिले को एक नहीं अनेक रेलों की सौगात बालाघाट सिवनी के सांसद ढालसिंह बिसेन के माध्यम से मिलने पर अध्यक्ष तेजबली सिंह ने शुभकामनाऐं दी है, साथ ही तेजबली सिंह ने कहा है कि रेल के आभाव में सिवनी में कोई बडे उद्योग प्रारंभ नहीं हो सके लेकिन लंबी दूरी की रेलों के माध्यम से अब आवागमन एवं माल लोडिंग में भी सुविधा होगी। संघ के अध्यक्ष ने कहा कि रेल प्रारंभ होने का लाभ ग्रामीण विद्यार्थियों को आवागमन में सुविधा प्रदान करेगी, वहीं छोटे व्यापारी जो गांव जाकर व्यापार करते है उन्हें अपने व्यवसाय को संवारने में मदद मिलेगी, किसान वर्ग जो प्रतिदिन किसी ना किसी काम से नगर मुख्यालय आते है उन्हें रेल से आराम दायक यात्रा का लाभ मिलेगी।श्री तेजबली ने आगे बताया कि सिवनी संसदीय क्षेत्र में लंबे समय बाद ऐसे सांसद डा ढालसिंह बिसेन है जो जिलेवासियों कीहर समस्या के निराकरण को लेकर सक्रिय नजर आ रहे है। आपने आगे बताया कि रेल प्रारंभ होने से लोगों को जहां खुशी है वहीं नागपुर छिंदवाडा एवं बरघाट रोड में फ्लाई ओवर ब्रिज ना होने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है, अतः शीघ्र फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाता है तो लोगों को राहत मिल सकती है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करने अधिकारी नियुक्त

छतरपुर,। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचा.) (स्था.निर्वा.) संदीप जी.आर. ने जिले के सभी विकासखण्डों के फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करने के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संबंधित अनुभाग के एसडीएम को, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदारों को और सहयोगी अधिकारी सीईओ जनपदों को तथा अपील अधिकारी अपर कलेक्टर को नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में नियुक्त किए गए अधिकारियों के स्थानांतरण होने से पुनः नियुक्ति की गई है।

यात्रा तो सुलभ हुई आवश्यकता समय सारणी पर ध्यान देने की

एक दूसरे से कनेक्शन नही होंने के कारण नही मिल रहे ब्राडगेज को यात्री*

नैनपुर। एक लंबे अरसे के बाद नैनपुर से चारों दिशाओं की यात्रीगाडियो के चलने का सुखद अनुभव अब यहां के रहवासी कर रहे हैं । मगर नैरोगेज के दौरान मिली अपनी ख्याति के अनुरूप नैनपुर जंक्शन को प्रभाव शील होने में शायद अभी वक्त लगेगा। बढ़ती यात्री गाड़ियों के साथ नैनपुर स्टेशन में यात्री सुविधाओं का अभाव, टिकिट बुकिंग और यात्री प्रतीक्षालय का एक साथ होने की समस्या, और चलने वाली यात्रीगाडियो की एक दूसरे से कनेक्टिविटी न होने की समस्या ने लोगो की तकलीफें बढ़ा रखी है। इसके साथ ही नैनपुर से जबलपुर, नैनपुर से गोंदिया और नैनपुर से छिन्दवाड़ा का सफर भी ब्रॉडगेज होने के बावजूद भी अधिक लगना यात्री के सफर के आनंद में रोड़े अटका रहा है।

जब कनेक्टिविटी नही तो यात्री सफर करेगा क्यो?

नैनपुर जंक्शन से छूटने वाली गाड़ियों की समय सारिणी न जाने क्या सोचकर बनाई गई है। कुछ गाड़ियों के नैनपुर स्टेशन से छूटने का समय ही गलत है। जिससे यात्रियों को मजबूरन बस या अन्य साधनों से यात्रा करने मजबूर होना पड़ रहा है । मण्डला की यात्रा करने के लिए यात्री गाड़ी क्रमांक 05709 सुबह 3.30 बजे छूटती है। अब मण्डला के यात्री इस गाड़ी में अल्लसुबह सफर क्यो करेंगे। यही गाड़ी क्रमांक 05710 मण्डला से चलकर नैनपुर 5.50 बजे आती है। लेकिन सुबह छिन्दवाड़ा की ओर जाने वाली गाड़ी क्रमांक 08274 को नैनपुर से 5 बजे सुबह छोड़ दिया जाता है। अब इस गाड़ी का कनेक्शन नही मिलने से यात्री यात्रा से कतरा रहे है।

डेमू ट्रेन का भी कनेक्शन नही

गढ़ा जबलपुर से चलकर नैनपुर आने वाली डेमू ट्रेन क्रमांक 07830 जो शाम को 4.15 बजे नैनपुर आकर 5 बजे शाम को गोंदिया की ओर छूट रही है। जबकि शाम को मण्डला से चलकर नैनपुर आने वाली गाड़ी क्रमांक 05712 रोजाना शाम 5.30 बजे आकर नैनपुर से जबलपुर जाने वाली गाड़ी क्रमांक 06708 बनकर 5. 40 बजे छूट रही है। अब जिस यात्री को मण्डला से आकर गोंदिया नागपुर या रायपुर की ओर यात्रा करना है तो नैनपुर से उसे कोई कनेक्शन ही नही मिलता। इस वजह से यात्री इन गाड़ियों में यात्रा करने की सोच भी नही रहे हैं।

इस समय सारिणी से नही मिल रहे यात्री

इस तरह की समय सारिणी से इस अंचल में चलने वाली ब्रॉडगेज की यात्रीगाडियो में यात्रियों का टोटा तो रहने ही वाला है । अब रेलवे विभाग यदि इस बात का रोना रोये की गाड़ियों से राजस्व की पर्यापत आय नही हो रही है गाड़िया घाटे में चल रही हैं । तो यह बात शायद लाजिमी नही कही जा सकती। रेलवे को नैनपुर से जबलपुर, नैनपुर से गोंदिया, नैनपुर से छिन्दवाड़ा और नैनपुर से मण्डला आने जाने वाली सभी गाड़ियों के एक दूसरे से कनेक्शन को ध्यान में रखकर समय सारिणी निर्धारित करने की जरूरत है। तब जाकर इस क्षेत्र के यात्रियों को यात्रा की सही सुविधाएं मिल सकेंगी। वरना घाटे का सौदा बताकर आने वाले समय मे लंबी दूरी की यात्री गाड़ियों के साथ इसे एक व्यस्ततम रेल खंड बनाने में ऐसा ही पलीता लगाया जाता रहेगा।

कलेक्टर ने कालाबाजारी की रोकथाम संबंधी बैठक में दिए निर्देश

दमोह कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कहा की अवैध मदिरा निर्माण पर लगातार कार्यवाही की जाए, अहाते न चले, कहीं चलते पाए जाते हैं तो सख्ती से कार्रवाई की जाए। सभी संबंधित विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई की इंट्री नियमित रूप से पोर्टल पर दर्ज करना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने कालाबाजारी की रोकथाम संबंधी बैठक में दिशा निर्देश दिये. इस अवसर पर अपर कलेक्टर नाथूराम गौड़, अति. पुलिस अधीक्षक शिवकुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर अग्रवाल ने माइनिंग के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि जो खदाने कार्यरत नहीं है, निरस्ती की कार्रवाई की जाए। उन्होंने समीक्षा करते हुए राजसात की कार्यवाही के संबंध में सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर अग्रवाल ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी से सैंपल लेने और की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेते हुए और अधिक सैंपल लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने फुड ऑफिसर से कहा है कि फुड इंस्पेक्टर लगातार पीडीएस दुकानों की जांच करें 03 माह में जिले की सभी दुकानों की जांच सुनिश्चित करा ली जाए और यह क्रम लगातार चले। कलेक्टर अग्रवाल ने एसडीएम से भी कहा है कि वह भी नियमित रूप से दुकानों की जांच करें, नापतोल विभाग के अधिकारी से कहा गया है कि वह रेंडम जांच करें, खरीदी केंद्र पर भी जाएं सही नाप हो और मशीन सही हो यह सुनिश्चित करा लिया जाए। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने सभी एसडीएम से कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पेट्रोल पंपों की भी जांच करें। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को ओवरलोडिंग वाहनों और यात्री वाहनों की सतत् जांच एवं कार्यवाही के निर्देश दिए।

खाकी के बीच मानवता झलक उठी

मजबूर पिता ने बेटी के इलाज की एएसपी को सुनाई व्यथा, उठाएंगे इलाज का पूरा खर्च

बरेली 7 कहते हैं पिता अपनी औलाद के लिए सब कुछ दाव पर लगा देता है लेकिन सब कुछ दाव लगा चुका पिता की कहानी सुनकर खाकी के बीच मानवता भी झलक उठी एएसपी अमृत मीणा की दरियादिली का यह एक कोई पहला किस्सा नहीं ऐसे कई परिवारों के लिए सहारा बनकर एडिशनल एसपी मदद करते आ रहे हैं आपको बता दें मजबूर पिता ने बेटी के इलाज के लिए अपनी पैतृक संपत्ति घर तक गिरवी रख दिया सांईखेड़ा निवासी संतोष अहिरवार अपनी बेटी के इलाज के साथ अपनी पांच बेटियों और एक बेटे का पालन- पोषण भी कर रहा है। बेटी की शादी हो चुकी है लेकिन महिला के ससुराल वाले उसके इलाज में कोई सहयोग नहीं कर रहे हैं। पिता अपनी बेटी को एंबुलेंस में लेकर रायसेन आया था। यहां पर उसने एएसपी अमृत मीणा से मुलाकात करके अपनी व्यथा बताई? तो एडिशनल एसपी के आंखों से आंसू तक झलक उठे एडिशनल एसपी ने दरियादिली दिखाते हुए खाकी मैं मौजूद मानवता उदाहरण पेश करते हुए एएसपी ने एंबुलेंस का किराया देने के साथ ही उसके इलाज का खर्च उठाने का भी भरोसा दिलाया है। बेटी को लेकर रायसेन आए सांईखेड़ा निवासी संतोष अहिरवार ने बताया कि उसकी बेटी दीपाली की शादी नीलेश पुत्र रामबगस अहिरवार निवासी वीरा पांजरा सांईखेड़ा के साथ 3 मई 2022 को हुई थी। शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। इस प्रताड़ना से परेशान होकर सिलवानी थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। 1 फरवरी 2023 को बेटी मायके आ गई थी। 4 फरवरी को दामाद मेरे घर आया और बेटी को बाइक से लेकर चला गया। इसके बाद उसने मंडीदीप के पास शराब के नशे में एक्सीडेंट कर दिया, जिससे उसकी बेटी दीपाली गंभीर रूप से घायल हो गई।? उसके कूल्हे वाला हिस्सा बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इसके बाद से मेरी बेटी जीवन और मौत से जूझ रही है,लेकिन दामाद और ससुराल पक्ष के लोग उसे देखने तक नहीं आए और न ही इलाज का खर्च उठा रहे हैं। ऐसी स्थिति में उसे घर तक गिरवी रखना पड़ा है। एडिशनल एसपी अमृत मीणा कि इस मानवीय पहल से खाकी का सम्मान बढ़ा ऐसे अमृत मीणा जो रायसेन जिले को हमेशा गौरवान्वित कर रहे हैं रायसेन जिले की जनता ऐसे प्रशासनिक अधिकारी की भरपूर प्रशंसा कर रही है 7

सिपाही समेत 9 लोगों पर गैंग रेप और अपहरण का मुकदमा दर्ज

एसपी बोले-मामले की जांच एसआईटी करेगी, आरोपी सिपाही सस्पेंड

छतरपुर। मध्य प्रदेश की सीमा से चंद कदम दूर यूपी के अजनर थाना क्षेत्र में नग्न और मरणासन्न हालत में 26 अप्रैल की सुबह 11 बजे मिली युवती को एक महीने से बंधक बनाकर लगातार गैंग रेप के बाद फेंका गया था। युवती ने होश में आने बाद अपने बयान दिए। उसके बयानों के आधार पर छतरपुर के महिला थाने में राजनगर थाने में पदस्थ आरक्षक संजय तिवारी और उसके 8 अन्य परिजनों पर अपहरण और सामूहिक बलात्कार के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है।

यूपी के महोबा जिले की पुलिस ने युवती को इलाज के लिए नौगांव अस्पताल में भर्ती कराया था लेकिन उसकी हालत गंभीर होने से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। युवती ने होश में आने के बाद सनसनीखेज आरोप लगाए। बयानों के आधार पर युवती की किडनेपिंग और गैंग रेप का घटना स्थल छतरपुर जिला होने से छतरपुर एसपी अमित सांघी के निर्देश पर छतरपुर के महिला थाना में आरक्षक संजय तिवारी और एक महिला समेत 7 नामजद एवं दो अज्ञात लोगों सहित कुल 9 आरोपियों पर आईपीसी की धारा 344, 376(2)(डी), 376डी, 366 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। एसपी अमित सांघी ने बताया कि महिला थाने की डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम इस मामले की बारीकी से जांच कर निष्पक्षता के साथ कार्यवाही करेगी। एसपी ने आरक्षक संजय तिवारी को सस्पेंड भी कर दिया है।

यूपी के हरदोई जिले के ग्राम सिब्बापुरवा की इस 22 साल की युवती ने बताया कि राजनगर थाने के सिपाही संजय तिवारी ने उसके साथ पूर्व में बलात्कार किया था जिसकी एफआईआर वह पहले ही महिला थाने में दर्ज करा चुकी थी। इस मुकदमे में पुलिस के बुलाने पर वह नक्शा बनवाने हेतु 17 मार्च की रात को छतरपुर आयी थी। वह रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ी ही थी तभी संजय तिवारी, अजय तिवारी, संजय के मौसा महेश, संजय के भाई महेन्द्र एवं दो अन्य लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और वे एक चार पहिया वाहन में उठाकर उसे ले गए। इसके बाद संजय तिवारी, मनीष तिवारी व महेन्द्र ने उसके साथ कई बार रेप किया। संजय के पिता ब्रजकिशोर तिवारी, चाचा शिवदयाल और बड़ी बहन संगीता सहित कुल 9 लोगों ने युवती के साथ मारपीट कर उसे रेप के केस को वापस लेने के लिए धमकाया और 26 अप्रैल की सुबह करीब 4 बजे उत्तर प्रदेश की सीमा में नग्न हालत में फेंक गए।

गैंग रेप पर राजनीति शुरू

छतरपुर गैंगरेप पर राजनीति भी शुरू हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस नेता अरुण यादव ने ट्वीट कर हमला बोला है। उन्होंने लिखा कि मप्र में रक्षक ही भक्षक बन गए है, शवराज में बेटियां सुरक्षित नहीं है, छतरपुर में निर्भया जैसी दर्दनाक घटना सामने आई। पुलिस आरक्षक संजय तिवारी ने अपने साथियों के साथ युवती को अगवा कर उसे बंदी बनाया, पीटा और कई बार गैंगरेप कर नौगांव में निर्वस्त्र हालात में फेंककर फरार हो गए।

सिपाही के परिजनों ने पीड़िता को बताया षड्यंत्रकारी

एफआईआर दर्ज होने के बाद सिपाही संजय तिवारी का परिवार पुलिस अधीक्षक के पास शिकायती आवेदन लेकर पहुंचा। आवेदन में कहा गया है कि युवती षडयंत्र के तहत कई बार लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज करा चुकी है। युवती ने एफआईआर भी परिवार को झूठा फंसाने के लिए दर्ज कराई है। संजय तिवारी के रिश्तेदार दिलीप निवासी ग्राम खरों लिधौरा जिला टीकमगढ़ द्वारा दिए गए इस आवेदन में कहा गया है कि युवती ने आरक्षक संजय तिवारी से रूपए ऐंठने के लिए उस पर पहले ही बलात्कार का झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। इतना ही नहीं वह 17 अप्रैल 2023 को भी ब्रजकिशोर तिवारी से रूपए मांगने ग्राम खरों गई थी। इस मामले में संजय तिवारी के पिता ब्रजकिशोर तिवारी ने थाने में शिकायत भी की थी। संजय के परिवार ने बताया कि इस युवती ने उप्र पुलिस के एक अन्य आरक्षक सूरज प्रसाद पाण्डेय के विरूद्ध भी हरदोई जिले में रेप का मुकदमा दर्ज कराया था जिसे झूठा पाते हुए पुलिस ने उसमें खात्मा लगाया था। यह युवती हमेशा झूठे आरोप लगाकर लोगों से पैसे ऐंठती है। आवेदन में मांग की गई है कि इस घटना में जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है उनके टावर लोकेशन एवं सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर निष्पक्ष जांच की जाए।

अवैध रेत से भरे दो ट्रैक्टर ट्रॉली व शराब जप्त

शिवपुरी - एसपी रघुवंश सिंह द्वारा जिले में माफियाओं के विरुद्ध कडी कार्यवाही करने के दिए निर्देशों के पालन में अवैध रेत व शराब पकड़ी गई है। अति. पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के निर्देशन में तथा एसडीओपी कोलारस विजय यादव के मार्गदर्शन में ग्राम लिलवारा सिन्ध नदी के घाट पर दविस देकर एक पावर ट्रेक ट्रेक्टर क्र. एमपी 33 एबी 0924 एवं आयशर ट्रेक्टर क्र.एमपी 33 एबी 4522 मे अवैध रुप से सिन्ध नदी की रेत (बजरी) भरकर फरिवहन करते पाये गये दोनो के पास बजरी भरकर ले जाने की रॉयल्टी नही थी जिन्हें मौके पर विधिवत जप्त कर एंव आरोपी दीमान पुत्र मोतीलाल कुशवाह उम्र 21 साल निवासी ग्राम डगोरा थाना इन्दार एंव अक्षय पुत्र बलवीरसिंह यादव उम्र 22 साल निवासी ग्राम डगोरा को गिरफ्तार किया गया आरोपी गणो के विरूद्ध धारा 379 ता0हि0 4(ए) 21(1) खनिज अधिनियम 1957 के तहत अपराध क्रंमाक 136/23 धारा 379 ता0हि0 4(ए) 21(1) खनिज अधिनियम 1957 पंजीबद्ध किया गया है।

वहीं थाना बदरवास पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम केलधार मे सरकारी स्कूल के पास एक व्यक्ति प्लास्टिक के सफेद बोरी में देशी मदिरा प्लेन शराब के कार्टून ग्राहकों को बिक्री करने के लिये रखे है। तहकीकात में पाया गया कि एक व्यक्ति दो प्लास्टिक के सफेद बोरी के ऊपर बैठा दिखा जिसे फोर्स की मदद से घेर कर पकडा नाम पता पूछा तो उसनें अपना नाम अनिल जाटव पुत्र देवीलाल जाटव उम्र 25 साल निवासी ग्राम केलधार थाना बदरवास जिला शिवपुरी का होना बताया, आरोपी के कब्जे में रखी बोरी को चैक किया तो एक बोरी में चार कार्टून तथा दूसरी बोरी मे तीन कार्टून देशी मदिरा प्लेन शराब के कुल 331 क्वाटर के मिले जिनकी कीमत करीबन 21,515 रुपये की हैं।

प्रतिभा परिषद बना कमाई का अड्डा, पहले शराब के साथ पकड़ाए थे पटवारी, अब लोकायुक्त ने पकड़ा

बरेली। रायसेन जिले के बरेली में पटवारी कार्यालय प्रतिभा परिषद में लोकायुक्त भोपाल की टीम ने छापामार कार्यवाही करते हुए बाग पिपरिया हल्का में पदस्थ पटवारी रामनारायण सक्सेना को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रँगे हाथों पकड़ा किसान से काम के बदले मागे थे 25 हजार रुपये आज 15 हजार रुपये देने की थी बात बरेली तहसील के ग्राम बाग पिपरिया निवासी किसान राघवेंद्र धाकड़ ने अपनी 9 डेसिबल जमीन बिक्री की थी राघवेंद्र धाकड़ ने अपनी जमीन का सीमांकन करवाने के लिए पटवारी राम नारायण सक्सेना से कहा तो पटवारी ने 25 हजार की रिश्वत की माग की थी पहले 7 हजार रुपये मांगे थे लेकिन बाद में 25 हजार रुपये की माग की जिसकी 15 हजार रुपये राशि देने की बात थी पटवा निरीक्षक के नेतृत्व में टीम ने पटवारी को पन्द्रह हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा लोकायुक्त की कार्यवाही जारी लोकायुक्त निरीक्षक ने कहा बरेली क्षेत्र की राजस्व संबंधित पटवारियों की और भी है शिकायत 7

गौरतलब है कि प्रतिभा परिसर में सभी पटवारियों के कार्यालय अबैध रूप से बने हुए हैं पटवारी फील्ड में ना जाकर किसानों को इन्हीं आफिस में बुलाते हैं और पैसे की मांग करते हैं माने तो कमाई का अड्डा प्रतिभा परिषद बन चुका है आपको बता दें पूर्व में शराब के साथ पटवारियों का वीडियो भी इसी कार्यालय से वायरल हुआ था जिस पर एसडीएम ने पटवारियों को निलंबित किया था और सभी पटवारियों को प्रतिभा परिषद से कार्यालय खाली करने को कहा था लेकिन प्रतिभा परिषद को आज दिनांक तक खाली नहीं किया गया आखिर सूत्रों की मानें तो पटवारी फील्ड छोड़कर इन्हीं कार्यालय में बैठकर किसानों से पैसे वसूलते हैं क्षेत्र में प्रतिभा परिषद हमेशा चर्चाओं का विषय बना रहता है 7

फरियादी राघवेंद्र धाकड़ की शिकायत पर बरेली प्रतिभा परिसर में छापामार कार्रवाई की जिसमें रंगे हाथ रिश्वत लेते पटवारी रामनारायण सक्सेना को पकड़ा गया बरेली तहसील के और पटवारियों की राज्य संबंधित शिकायतें हैं तहसीलदार से रिकॉर्ड मांगा गया है

मनोज पटवा, टीआई लोकायुक्त भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 665 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 22 भोपाल, दिनांक 27/04/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की शंकर नगर योजना में स्थित जूनियर एम.आई.जी. प्रकोष्ठ क्रं. 64 श्री जयनंदन श्रीवास्तव आ. स्व.श्री जोगेवर प्रसाद श्रीवास्तव के नाम पर अंकित/ आवंटित है। आवंटी की जयनंदन श्रीवास्तव का स्वर्गवास दिनांक 25.10.2010 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री मुकेश श्रीवास्तव आत्मज जयनंदन श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र/मृत्यु प्रमाण पत्र/शपथ पत्र/टंकित वसीयत एवं अन्य साक्ष्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त प्रकोष्ठ का नामांतरण अपने नाम पर चाहा गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

बीमा की राशि ओर पैतृक जमीन हड़पने के चक्कर में भाई ने की सगे भाई की हत्या

बटियागढ़ थाना अंधे हत्याकाण्ड का पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने किया खुलासा

दमोह । दमोह जिले के बटियागढ़ थाना अंर्तगत दिनांक को 24.04.23 को बड़ी चिराई के पास स्थित जंगल में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। उक्त शव की पहिचान सुरेंद्र सिंह पिता मुकुन्द सिंह निवासी ग्राम अगारा की टपरिया के रूप में हुई। पुलिस एवं एफएसएल टीम के द्वारा मौके पर पहुँचकर घटना स्थल एवं शव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर प्रथम दृष्टया मृतक की आर्म्स फायर से गोली मारकर हत्या करना पाया गया। जिससे मृतक के चचेरे भाई साहब सिंह निवासी अंगारा की टपरिया की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूध्द थाना बटियागढ़ में अपराध क्रमांक 132/ 23 धारा 302 भा0द0वि0 पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये अज्ञात आरोपी के विरूध्द ईनाम उदघोषित किया गया ।

प्रकरण की विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्य मृतक के मोबाईल नंबर की कॉल रिकार्ड्स.. परिस्थितिजन्य साक्ष्य आदि के आधार पर मृतक के छोटे भाई वीरेंद्र सिंह पर संदेह होना पाया गया। जिससे मृतक के भाई वीरेंद्र सिंह से हितमातमली से सघन पूछताछ की गई जिसके द्वारा अपने साथी भान सींग निवासी धौराज के साथ मिलकर अपने बड़े भाई सुरेंद्र सिंह की हत्या करना स्वीकार किया गया। आरोपी वीरेंद्र सिंह के द्वारा बताया गया कि, ÷ मेरा बड़ा भाई सुरेंद्र सिंह शराब एवं गाँजा पीने का आदि था जिससे वह घर पर अनावश्यक वाद-विवाद करता रहता था तथा उसके कारण में कर्ज

में डूब गया था। जिससे मैंने करीबन 06-07 माँह पहिले एक योजना बनाई थी जिसके चलते मैने अपने बड़े भाई सुरेंद्र सिंह एवं भाभी का बीमा करा दिया था जिसकी में किश्त भर रहा था मैंने सोचा कि भाई की चुपचाप हत्या कर दूंगा तो बीमा की लाखो रूपये की राशि एवं पैतृक जमीन मुझे मिल जायेगी और भाई की शराबखोरी से भी छुटकारा मिल जायेगा। इसी के चलते मैंने दिनांक 22.04.23 को अपने साथी भान सींग के साथ मिलकर बडी चराई के पास स्थित जंगल में अपने भाई सुरेद्र सिंह, साथी भान सीग के साथ शराब पी और मौका देखकर भाई सुरेंद्र सिंह को अपने साथ मे लिये बारह बोर के कट्टे से गोली मार दी और फिर पुष्टि के लिये मैने और भान सींग ने सुरेंद्र का तौलिया से गला दबा दिया। किसी को मुझ पर संदेह नहीं हो तो फिर मैंने और भान सींग ने सुरेंद्र का मोबाईल फेक दिया एवं देशी कट्टा छुपा दिये और चुपचाप अपने अपने घर चले गये थे। फिर अगले दिन अपनी माँ को भेजकर अपनी भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना में करवा दी थी÷

प्रकरण में आरोपी वीरेंद्र सिंह पिता मुकुंद सिंह लोधी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम अगारा की टपरिया एवं आरोपी भान उर्फ चंद्रभान सिंह पिता चंदन सिंह लोधी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम धौराज थाना बटियागढ़ की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त बारह बोर का देशी कट्टा एक जिंदा कारतूस, घटना स्थल तक आने जाने में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल को एवं अपने भाई-भाभी के कराई गई बीमा पालिसी एवं रसीद को जप्त किया गया है। तथा आरोपियो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय ने न्यायिक अभिरक्षा हेतु पेश किया गया है।

पुलिस अधीक्षक दमोह राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार सिंह एवं एसडीओपी पथरिया आर. पी. रावत के नेतृत्व में निम्न पुलिस अधिकारी / कर्मचारीयो के द्वारा उक्त अंधेहत्याकाण्ड के आरोपियों को पकड़ने में उत्कृष्ट एवं प्रशंसनीय कार्य किया गयाः- उप निरीक्षक सोनाली जैन थाना प्रभारी बटियागढ़, उप निरीक्षक पी डी दुबे, उप निरी. पूरन सिंह, प्र. आर. नर्मदा पटैल, प्र.आर. सौरभ टण्डन, प्र.आर. राकेश अठ्या आर. अक्षय मिश्रा, आर पवन तिवारी, आर. संकेत तिवारी, आर पवन यादव, आर हरिसिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिक विभाग (मुख्यालय) गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल.)

निविदा आमंत्रण घोषणा – पत्र

क्रं.33/यां.वि. / 2023 भोपाल, दिनांक 26/04/2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती है।

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Docu ment (In Rs)	Period of Completion (in Months)	SOR
1	2023_UAD_271294_1	ASPHALTING OF ROADWORK FROM JAY SINGH HOUSE TO GOVT. SCHOOL CHOTI KHAJURI W-62 Z-15	864645/-	8646/-	2000/-	02 months	MPUADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/ 2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M.(time) 27.04.2023 (date) to 17:30 P.M. (time) 11.05.2023 (date). 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper. The initial period of 05(FIVE) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP).

नि. क्रं. 170/023/024

Executive Engineer
MUNICIPALCORPORATION BHOPAL District BHOPAL

ऐपिक फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ अजय चौधरी ने शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। एचसीएल के संस्थापकों में से एक तथा ऐपिक फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ अजय चौधरी ने हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से एक निजी समारोह में मुलाकात की और उनकी हाल ही में प्रकाशित आत्मकथा 'जस्ट ऐस्पायर' की एक प्रति उन्हें भेंट की। एक प्रेरक संस्मरण 'जस्ट ऐस्पायर' में डॉ चौधरी की जीवन कथा मध्य प्रदेश के एक छोटे से शहर से आरंभ होती है, वह लड़का जिसकी आंखों में कई सपने थे उसे एक दिन 'फादर ऑफ हार्डवेयर इन इंडिया' के नाम से जाना गया। आज, डॉ चौधरी भारत के सेमिकंडक्टर व इलेक्ट्रॉनिक उद्योग में नई जान फूंकने वाले एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहे हैं।

मुश्किलों का दरिया है, लेकिन देखने का मासूम नज़रिया है!

नई दिल्ली, एजेंसी। मुश्किल भरे समय के दौरान, हम अक्सर सुरक्षा और समर्थन के लिए अपने परिवारों की ओर मुड़ते हैं। लेकिन क्या हो जब हमारा परिवार ही हमारे खिलाफ हो जाए कलर्स का आगामी शो 'सुहागन' में बिंदिया की कहानी इसी दुविधा पर चर्चा करती है। बिंदिया एक नन्ही अनाथ लड़की है जो अपने रिश्तेदार के घर में काम के बोझ से दबी हुई है। ये रिश्तेदार उसकी विरासत में मिली संपत्ति को भी अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। अपने हालात और अस्तित्व के संकट के बावजूद, बिंदिया एक बड़ी बहन के रूप में मासूम, विचारशील और आशावादी है, जो अपनी शरारती छोटी बहन पायल की शरारतों का खामियाजा भुगतती है। लोकप्रिय बाल कलाकार आकृति शर्मा नन्ही बिंदिया की भूमिका निभाएंगी और कुरंगी नागराज नन्ही पायल की भूमिका निभाती नज़र आएंगी। रश्मि शर्मा द्वारा निर्मित और विवेक बहल द्वारा परिकल्पित, इस शो का प्रीमियर 2 मई को होगा और उसके बाद प्रत्येक सोमवार से रविवार शाम 6-30 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित किया जाएगा।

एमएक्स प्लेयर ने बीईसी वर्ल्ड से 200+ घंटे की थाई ड्रामा सीरीज हासिल की

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रोग्रामिंग को समृद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एमएक्स प्लेयर - भारत का स1 ओटीटी प्लेटफॉर्म (स्रोत- डेटा.एआई), ने बीईसी वर्ल्ड पब्लिक कंपनी लिमिटेड (बीईसी) के साथ एक रणनीतिक बहु-क्षेत्रीय और बहु-शीर्षक समझौता किया है, जो एक विश्व -श्रेणी मीडिया कंपनी 53 से अधिक वर्षों से थाई भाषा के कार्यक्रमों के निर्माण और वितरण में उद्योग का नेतृत्व कर रही है। यह। यह भारत में एमएक्स प्लेयर के साथ बीईसी की पहली बहु-क्षेत्रीय और बहु-टाइटल डील को चिन्हित करता है औरबांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिसमें 200+ घंटे की थाई ड्रामा सीरीज़ शामिल है।यह साझेदारी एमएक्स प्लेयर को अपने दर्शकों के लिए थाई कार्यक्रमों को पेश करने के लिए चिह्नित करती है। यह अपनी सफल कंटेंट कैटेगरी- रूङ्ग ड्डक्षद्दह्लद्ध के लिए 200 घंटे से ज्यादा की थाई ड्रामा सीरीज को हिंदी में डब करेगा।

MX PLAYER

इंडियाज़ बेस्ट डांसर 3 के ग्रैंड प्रीमियर पर मध्य प्रदेश के शिवांशु सोनी ने स्पेशल गेस्ट रेमो डिसूज़ा को किया इंस्पायर!

मुंबई , एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर हर हफ्ते इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 3 के कंटेस्टेंट्स अपने जोरदार डांसिंग टैलेंट से दर्शकों का दिल लुभा रहे हैं। अपने-अपने कोरियोग्राफर्स के मार्गदर्शन में बेस्ट 13 में जगह बनाने वाले ये कंटेस्टेंट्स लगातार अपना हुनर निखार रहे हैं और इसका नतीजा इस वीकेंड के ग्रैंड प्रीमियर एपिसोड में देखने को मिलेगा। इस बेस्ट के बिगेस्ट सेलिब्रेशन को एक भव्य पेशकश बनाने के लिए जाने-माने डायरेक्टर एवं कोरियोग्राफर रेमो डिसूज़ा इस शाम के खास मेहमान बनकर आएंगे। इस दौरान बेस्ट 13 कंटेस्टेंट्स में शामिल मध्य प्रदेश के शिवांशु सोनी अपनी कोरियोग्राफर श्वेता चंद्रन वॉरियर के साथ मिलकर फिल्म बाजीराव मस्तानी के गाने आज इबादत पर एक बेहद दिलकश परफॉर्मेंस देंगे।

इंदौर से शुरू होगी देश की पहली 'भारत गौरव यात्रा ट्रेन', इस दिन होगी रवाना

इंदौर। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) समय-समय पर टूर पैकेज लॉन्च करता रहता है। अब पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के यात्रियों के लिए भारत गौरव पर्यटन ट्रेन का संचालन किया जायगा। इसमें चाय, नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन सहित नॉन ए.सी. स्टैण्डर्ड होटल में रात्रि विश्राम, स्नान की सुविधा दी जाएगी।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि, इंदौर ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट की ओर से दो ट्रेन पुरी-गंगा सागर भव्य काशी यात्रा और इंदौर से श्री रामेश्वरम, तिरुपति दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए संचालित की जाएगी। यह ट्रेन मई माह में इंदौर से रवाना होगी। बताया जा रहा है कि, यात्रा के लिए अब तक 450 लोगों ने बुकिंग करवा ली है। बता दें कि, भारतीय रेल्वे की ओर से एक भारत श्रेष्ठ भारत और देखो अपना देश की संकल्पना को प्रोत्साहित करते हुए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया गया है।

भारत गौरव ट्रेन से रामेश्वरम सहित पांच स्थानों पर घुमाया जाएगा। 9 रात और 10 दिनों में यह टूर पूरा होगा। बताया जा रहा है कि, पुरी-गंगासागर भव्य काशी यात्रा के लिए 16 मई को इंदौर शहर से रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश के इंदौर, उज्जैन, रानी कमलापति, इटारसी, जबलपुर, कटनी और अनूपपुर स्टेशनों से होते हुए जाएगी। भारत गौरव ट्रेन के स्लीपर क्लास में आपको तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और तिरुवनंतपुरम के अलग-अलग धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का मौका मिलेगा।

जानकारी के मुताबिक, इस यात्रा के लिए 3 प्रकार का पैकेज होगा। पहला शयनयान श्रेणी, दूसरा तृतीय वातानुकूलित श्रेणी और तीसरा द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का होगा। ट्रेनों में कोरोना के नियमों का पालन करना होगा। यात्री टिकट की बुकिंग आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट पर ऑनलाइन व अधिकृ एजेंट से भी करा सकते हैं।

घरेलू समानता पर बनी एरियल की नयी भावनात्मक फिल्म दर्शाती है कि दंपतियों को साथ रहना है, तो साथ देना भी है

जबलपुर एजेंसी। भारत के बड़े डिटर्जेंट ब्रांड, एरियल ने साल 2015 में शेयर दी लोड शुरू किया था ताकि वे घरेलू कामकाज के समान बँटवारे के बारे में सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे सकें और ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में पुरुषों को घरेलू कामकाज में हाथ बटाने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। इस मुद्दे पर बातचीत को जारी रखने और परिवारों के भीतर समानता के संदेश को लगातार आगे बढ़ाने की बात को ध्यान में रखते हुए, एरियल ने हाल ही में अपनी नई फिल्म सी द साइन्स शेयर दी लोड' को लॉन्च किया। ब्रांड ने अपनी इस साल की मुहिम में लंबे समय तक असमान बँटवारे के शादी के रिश्ते पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर किया है, ताकि दंपति इसे समझें और घरेलू कामकाज में आज ही से हाथ बटाने लगें, ताकि उनका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहे। एरियल की नई फिल्म सवाल उठाती है कि- आपके वैवाहिक जीवन में आप एक साथ आगे बढ़ रहे हैं या अलग-अलग घरेलू कामकाज के बँटवारे में असमानता को नजरअंदाज करने से कुछ दंपतियों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ रही है। हाल में किए गए एक सर्वेक्षण के नतीजे बताते हैं कि, 74 प्रतिशत महिलाओं ने घरेलू कामकाज को साझा करने के बारे में बात करना भी छोड़ दिया है। घरेलू कामकाज में जीवनसंगिनी का साथ देने से, दंपति के बीच में लगाव और खुशहाली को बढ़ावा मिल सकता है।

एचडीएफसी बैंक बुंदेलखंड क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े ऋण मेले का आयोजन किया

सागर, एजेंसी। भारत के अग्रणी बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक ने उत्तर प्रदेश के झांसी में एक ऋ्रण मेले का आयोजन किया। बुंदेलखंड क्षेत्र में इस तरह के सबसे बड़े आयोजनों में से लगभग 5,000 संभावित ग्राहकों ने भाग लिया। इसमें छोटे और सीमांत किसान, छोटे कृषि उद्यमी, ट्रांसपोर्टर, दुकानदार और एसएमई शामिल थे। बैंक के वाणिज्यिक और ग्रामीण बैंकिंग (छ्रक्रख्) समूह द्वारा आयोजित, मेले ने अपने उत्पादों और सेवाओं का अवलोकन किया और हजारों ग्राहकों को स्वीकृति पत्र जारी किए जो संभावित रूप से ग्राहकों और उनके सहित 20,000 लाभार्थी को फायदा होगा। उत्पादों और सेवाओं में कृषि वित्त, स्वास्थ्य देखभाल वित्त, निर्माण वाहन वित्त, वाणिज्यिक उपकरण वित्त और दुकानदार धमाका शामिल हैं। एमएसएमई कार्यशील पूंजी, सावधि ऋ्रण, एलसी और बैंक गारंटी का लाभ उठा सकते हैं। इस भव्य आयोजन का उद्घाटन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. मुकेश पांडेय और सीआरबी के ग्रुप हेड श्री राहुल श्याम शुक्ला ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कृषि और बागवानी निदेशक प्रोफेसर बी गंगवार भी उपस्थित थे। आज ही के दिन बैंक ने बुंदेलखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ एमएसएमई ग्राहकों के लिए एक बैठक भी की जिसका उद्घाटन झांसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री आलोक यादव (आईएएस) ने किया।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा विश्व का पहला नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि उत्पादकता तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज विश्व के पहले नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। माननीय मंत्री जी ने इफको सदन में आयोजित एक समारोह में नैनो डीएपी (तरल) राष्ट्र को समर्पित किया, जिसे भारत व विदेश में करोड़ों किसानों और सदस्य सहकारी समितियों ने ऑनलाइन देखा। इफको ने नैनो डीएपी के उत्पादन के लिए गुजरात में कलोल, कांडला और उड़ीसा में पारादीप में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की है। कलोल संयंत्र में उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। इस वर्ष नैनो डीएपी के 5 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया जाएगा जो 25 लाख टन डीएपी के बराबर होगा।

एयरटेल 5जी प्लस अब देश के 3000 शहरों और कस्बों में उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज घोषणा करते हुए कहा है कि हमारी अल्ट्रा-फास्ट 5जी सेवा अब देश के 3000 शहरों और कस्बों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। कंपनी की सेवाएं जम्मू के कटरा से लेकर केरल के कुनूर तक, बिहार के पटना से तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक, अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर से केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव तक मौजूद है। साथ ही देश के सभी प्रमुख शहरी और ग्रामीण हिस्सों में एयरटेल 5जी प्लस सेवा की असीमित पहुंच है। भारती एयरटेल के सीटीओ, रणदीप सेखों ने इस कामयाबी पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम देश के बड़े हिस्से में 5जी पहुंचाकर काफी उत्साहित हैं। सितंबर 2023 तक भारत के हर कस्बे और प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों तक अपनी सेवाएं पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता है।

रातापानी डेम से इंडस्ट्रियल एरिया को पानी देने के विरोध में किसानों ने एसडीएम कार्यालय का घेराव किया

बड़ी संख्या में वाहनों से गौहरगंज पहुँचे किसान, तत्काल काम रुकवाने की मांग

औबेदुल्लागंज संवाददाता .. सुरेश केवट। रातापानी डेम से इंडस्ट्रियल एरिया तामोट तक लाई जा रही पाइप लाइन के विरोध में बड़ी संख्या में किसानो ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय का घेराव कर दिया। किसानों ने तत्काल पाइप लाइन का काम रुकवाने की मांग करते हुए कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौपा। किसानों की मांग है कि पहले डेम में पानी भराव की छ्मता को बढ़ाया जाए फिर उसके बाद फेक्ट्रियो को पानी की सप्लाई की गए। जिससे किसानों की फसलों और इंडस्ट्रीज को पर्याप्त पानी मिल सके। वही किसानों ने चेतावनी दी कि अगर मांगे नही मानी गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। किसान पूर्व में भी एसडीएम कलेक्टर सहित विधायक को शिकायत कर चुके है। जब उनकी शिकायत पर कोई कार्यवाही नही हुई तो किसानों ने एसडीएम कार्यालय का घेराव कर दिया। किसान गौरव चौहान,रामपाल सिंह,अंशुल चौहान,राहुल गौर,सुरजीत नागर ने बताया कि बिना जल स्त्रोत के अगर इंडस्ट्रीज को पानी दिया जाता है तो उनकी 10 हजार हेक्टेयर से ज्यादा की कृषि भूमि सिंचाई प्रभावित होगी पहले डेम में जल भराव किया जाए उसके बाद कही और पानी की सप्लाई दी जाए अगर तत्काल पाइप लाइन का काम रोका नही गया तो किसान उग्र आंदोलन करेंगे जिसका जिम्मेदार प्रशासन होगा।

इनका कहना है

किसानों के हक का पानी फैक्ट्रियों के लिए दिया जा रहा है जिससे 15 हजार हेक्टेयर का सिंचित एरिया ड्राय हो जाएगा आप औधोग को बढ़ावा दे रहे तो किसानों को भी बढ़ावा दिया तत्काल काम बंद किया जाए डेम में जल का स्त्रोत बढ़ाया जाए उसके बाद पानी दिया जाए।

- अंशुल चौहान किसान तामोट।

ग्राम तामोट और आसपास के किसान आये थे रातापानी डेम के संबंध में ज्ञापन दिया है उनकी मांगे है कि उन्हें डेम से पर्याप्त पानी मिले किसानों की मांगों को कलेक्टर साहब को प्रेषित करदी गई है जिस स्तर से निराकरण होगा किसानों को बता दिया जाएगा।

प्रमोद गुर्जर एसडीएम गौहरगंज। विधानसभा

अशोक लेलैंड लाइट कमर्शियल व्हीकल्स ने मध्य प्रदेश के सतना में नई डीलरशिप का उद्घाटन किया

रीवा, एजेंसी। हिंदुजा समूह की प्रमुख भारतीय कंपनी और देश के अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, अशोक लेलैंड ने सतना में हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए अपनी डीलरशिप का उद्घाटन किया। यह मध्य प्रदेश राज्य में अशोक लेलैंड की नौवीं लाइट कॉमर्शियल व्हीकल डीलरशिप है। नए चैनल पार्टनर, अमृत कार्गो की 3एस (सेल्स, सर्विस एंड स्पेयर्स) फैसिलिटी सतना में रीवा रोड स्थित सीताराम पेट्रोल पंप के सामने महत्वपूर्ण रूप से स्थित है। यह फैसिलिटी उन्नत उपकरणों, 4 त्वरित सर्विस बे से लैस है और इसमें बेहतर ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए परिष्कृत बुनियादी ढांचा है। कंपनी वर्तमान में एलसीवी उत्पादों की निम्नलिखित रेंज उपलब्ध कराती है ङ्क बड़ा दोस्त, दोस्त, पार्टनर और मित्र। उद्घाटन के अवसर पर, श्री रजत गुप्ता, हेड ङ्क एलसीवी, अशोक लेलैंड लिमिटेड ने कहा, मध्य प्रदेश हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और हमें इस क्षेत्र में एक और टचपॉइंट के साथ अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की खुशी है। बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर के साथ, राज्य में सड़कों और अन्य सुविधाओं के मजबूत नेटवर्क के निर्माण के साथ भारी वृद्धि हुई है। हम इस विकास का हिस्सा बनना चाहते हैं और अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम उत्पादों के साथ मदद करना चाहते हैं। हमें बेहद गर्व है कि वारंटी अवधि के बाद भी हमारे डीलर वर्कशॉप्स में वापस आने वाले हमारे 70 प्रतिशत ग्राहकों के साथ सर्विस रिटेंशन का हमारा ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है। हम, हमेशा की तरह, ग्राहक सेवा और संतुष्टि के स्तर को बनाए रखने और यहां तक कि बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। इस डीलरशिप के साथ, हम अपने उपभोक्ताओं को उनके सपनों को हासिल करने में मदद करेंगे क्योंकि हम मानते हैं कि कोई मंजिल दूर नहीं। हमारे उत्पाद भारतीय एलसीवी ग्राहक की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिस्पर्धी कीमत पर सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी की पेशकश करके लॉन्च किए गए थे। अभी, पूरे भारत में 4 लाख से अधिक एलसीवी हैं।

SC forming panel to examine issue of freebies by political parties is 'burial by committee': Experts

"The question before SC and committee is, what will be the effect of these freebies on elections. How is the committee going to answer that question?" senior counsel Rajeev Dhavan wondered

Most senior law experts and advocates believe that the Supreme Court's decision to form a committee to look into the issue of freebies by political parties is, in effect, 'burial by committee'.

ADVERTISING

The Supreme Court, on August 3, decided to set up an expert group comprising members from the government, Opposition parties, Niti Aayog, Election Commission, Finance Commission and Reserve Bank of India (RBI) to study the impact of freebies being announced by political parties during elections on the economy.

The matter has been posted for August 11.

A bench of Chief Justice NV Ramana and Justices Krishna Murari and Hima Kohli asked the Centre, Election Commission, senior advocate and Rajya Sabha MP Kapil Sibal, and the petitioners to submit their suggestions within seven days on the composition of the expert body that will examine the issue of how to regulate freebies. It was hearing a Public Interest Litigation (PIL) petition filed by Ashwini Upadhyay seeking directions to regulate freebies by political parties.

However, most senior law experts believe that the issue will end with the formation of the committee. "The question before the committee and the court is, what will be the effect of these freebies on elections. How is the committee going to answer that question?" senior counsel Rajeev Dhavan wondered.

"The committee can't say ban this and ban that because for any recommendation to come into force, the electoral law has to be changed and it will be difficult to enforce," he added.

"The reason is that it is a political party which is announcing these freebies, so will they go after the party or the politician announcing it. They can't disqualify parties. The impact of this committee on electoral law and disqualification are the real issues," said Dhavan.

Senior Supreme Court advocate Sanjay Hegde had a similar opinion. "There is only a committee that is being formed. No report has come yet. The issue of jurisdiction will arise only if the apex court decides to act on the recommendations of the committee. As of now, it seems like it will be a burial by committee," he maintained.

"The Supreme Court will be better informed on the issue once the committee gives its report as it can then decide if they want to answer the problem or not," he added.

Indian Civil Liberties Union (ICLU) founder and Supreme Court lawyer Anas Tanwir asserted that if the Supreme Court is concerned with electoral reforms, the first step would be to take up the Electoral Bonds case pending before it since 2019.

"The issue of Electoral Bonds affects free and fair elections far more than freebies can ever do. We are a welfare State and it is but necessary that the subsidies and the so called 'freebies' are announced and continued. A majority of the population requires it," he observed.

Petitioner Ashwini Upadhyay's counsel Vikas Singh suggested that a model code of conduct be drafted by the EC. In his plea, he had claimed that political parties announce freebies to lure voters. He wanted political parties to consider public debt too.

Appearing for the Union government, Solicitor General Tushar Mehta claimed that populist freebies distort informed decision making of the voter and if unregulated, it would lead to an economic disaster.

The grant of the so called 'freebies' is not an affront on the taxpayers' money, noted Tanwir, which, he said, was being used for making statues and a new Central Vista.

Sibal, who was invited to give suggestions on the matter, said that the Election Commission should be kept away from the discussion as the issue was political and economic in nature and did not concern elections. He also suggested that Parliament should discuss the issue.

सुप्रीम कोर्ट ने कल एक अखिल भारतीय करदाता संगठन बनाने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला किया

जो दुनिया का सबसे बड़ा निकाय होगा

कोई भी सरकार इस निकाय की मंजूरी के बिना मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त वितरण या कर्जमाफी की घोषणा नहीं कर सकती है, भले ही कोई भी सरकार शासन कर रही हो। चूँकि पैसा हमारे करदाताओं का है, इसलिए करदाताओं को इसके उपयोग की निगरानी करने का अधिकार होना चाहिए।

राजनीतिक दल वोट के लिए मुफ्त उपहार देकर जनता को लुभाते रहते हैं। जो भी परियोजनाओं की घोषणा की जाती है, सरकार को पहले उनका खाका प्रस्तुत करना चाहिए और इस निकाय से अनुमोदन प्राप्त करना चाहिए। यह सांसदों और विधायकों के वेतन और उन्हें मिलने वाले अन्य गैर-विवेकाधीन लाभों पर भी लागू होना चाहिए। क्या लोकतंत्र सिर्फ मतदान तक ही सीमित है? उसके बाद करदाताओं के रूप में हमारे पास क्या अधिकार हैं? करदाताओं को संसद के कामकाज में बाधा डालने के लिए सांसदों, विधायकों को जवाबदेह ठहराने और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का अधिकार होना चाहिए। वे सभी ÷नौकरों÷ के बाद करदाताओं द्वारा भुगतान किए जाते हैं। ऐसे किसी भी ÷मुफ्त उपहार÷ को वापस लेने का अधिकार भी जल्द ही लागू किया जाना चाहिए। यदि आप सहमत हैं तो कृपया अधिक से अधिक लोगों से संपर्क करें। ऐसा करने के लिए पोस्ट को शेयर करें।

इसे अपने कम से कम 10 दोस्तों को भेजें।

बुद्ध पूर्णिमा 5 मई को, विश्व में करोड़ों लोग करेंगे गायत्री यज्ञ में भागीदारी

छिंदवाड़ा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 5 मई वैशाख बुद्ध पूर्णिमा को सारे विश्व में लाखों नये घरो मैं एवं करोड़ों लोगों को गायत्री यज्ञ महा अभियान में सम्मिलित किया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ छिंदवाड़ा से गृहे गृहे गायत्री यज्ञ अभियान प्रभारी अरुण पराड़कर ने बताया कि गृहे गृहे गायत्री यज्ञ एवं उपासना अभियान के अंतर्गत गायत्री परिवार के नारी सशक्तिकरण वर्ष 2023 में मिशन की गतिविधियों को तीव्र गति से घर-घर एवं जन जन तक पहुंचाने साथ लाखों नये लोगो मैं सत्य प्रवृत्ति संवर्धन स्थापना एवं देव परिवार निर्माण से जोड़ना के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसके लिए अभी से तैयारी जोरों पर है, नये लोगों को जोड़ने, सम्मलित के लिए ऑफलाइन, ऑनलाइन प्रशिक्षण, यूट्यूब ,पंपलेट, ब्रोसर एवं कर्मकांड प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं ताकि आने वाली 5 मई को छिंदवाड़ा जिले में पिछले वर्ष 35 हजार घरों में गायत्री यज्ञ किया था इतने ही नये घरों में पहुंचने का लक्ष्य रखा है ।

सफाई संरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति

छिंदवाड़ा । नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में सेवाकाल के दौरान धरमसिंह बाल्मिक सफाई संरक्षक की मृत्यु उपरांत उनके पुत्र दारा सिंह बाल्मिक को सफाई संरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति आदेश विक्रम आहके महापौर, धर्मेंद्र सोनू मागो अध्यक्ष, राहुल मालवीय सभापति सामान्य प्रशासन, एवं अन्य सभापतिगण तरुण कराडे, नदीम अहमद, श्रीमती अरुणा मनोज कुशवाह, की उपस्थिति में प्रदान कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई ।

पानी की समस्या दूर करने की मांग

मोहखेड़। ग्राम पंचायत जाम के गोनावाडी ग्राम में नल जल के लिए ग्राम कि महिलाओ द्वारा पानी कि समस्या दूर करने के लिए कहां जिसमें पांढुर्ना पूर्व विधायक जतन उइके जनपद सदस्य विजय गावंडे ग्राम पंचायत जाम उपसरपंच चंचलेश अल्ड़क निलेश मस्तकार, राजु वाडिवा, मिलिंद घोघरे ,प्रणय जामकर सहित ग्राम के सुभम यादव, श्रावण कमरे, जितेंद्र घुर्वे, गोपाल मरावी, संदीप सुभव गुलाब कुमरे, वर्षा यादव, हेमलता मस्तकार अन्य महिला उपस्थित रहे।

9 मई को नारी सम्मान योजना का होगा शुभारंभ

परासिया । नारी सम्मान योजना का शुभारंभ छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा से होगा परासिया में दिन

बुधवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने मध्यप्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे कमलनाथ के निज सचिव संजय श्रीवास्तव परासिया विधायक सोहन बाल्मीक, परासिया कांग्रेस विधानसभा प्रभारी अशोक तिवारी, परासिया ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र विश्वकर्मा, जनपद उपाध्यक्ष जमील खान, पूर्व जनपद अध्यक्ष रईस खान, चांदामेटा नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद बजोलिया, नगर पंचायत बड़कुही अध्यक्ष भरत डेहरिया, वरिष्ठ कांग्रेसी हरि वर्मा , नगर कांग्रेस अध्यक्षों एवं कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित रहे परासिया के मयूर वन, ई डी सी ग्राउण्ड एवं सी आई एस एफ ग्राउण्ड का निरीक्षण किया गया

निगमायुक्त ने किया सीएम अधोसंरचना कार्य का निरीक्षण

छिन्दवाड़ा । मुख्यमंत्री अधोसंरचना अंतर्गत निगमायुक्त राहुल सिंह द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों का

निरीक्षण किया गया जिसमें गुरैया रोड स्थित सड़क, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट रोड एवं मटकुली पुल निर्माण कार्य प्रमुख रहे। निगम आयुक्त द्वारा गुरैया रोड एवं वाटर ट्रीटमेंट प्लांट रोड निर्माण पर ठेकेदार को इन सड़क को 15 दिवस के भीतर निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए इसके साथ ही मटकुली पुल के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली, प्रभारी शास्त्री बृजेश पांडे, उपयंत्री सचिन पाटील एवं भानु प्रताप सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

लंपी वायरस की चपेट में आ रहे पशुओं की संख्या बढ़ी

शहर में घूम रहे पशु हुए संक्रमित, क्वारेंटाईन सेंटर स्थापित

छिंदवाड़ा। लंपी वायरस की चपेट में आने वाले पशुओं की संख्या बढ़ते जा रही है। पिछले वर्ष भी लंपी वायरस ने कहर मचाया था जिसके चलते पशुओं की मौत हुई थी लेकिन विभाग की लापरवाही के चलते फिर से इस वायरस ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। लंपी वायरस से पीड़ित पशु शहर में घूम रहे हैं। लेकिन विभाग का ध्यान नहीं है। लम्पी स्कनी वायरस एक त्वचा रोग है जिसकी वजह से पश्युओं की स्किन में गांठदार ढेलेदार दाने बन जाते हैं यह संक्रमित रोग है जो एक पशु से दूसरे पशु को हो जाता है। शहर के पीजी कॉलेज, लालबाग क्षेत्र और कालोढाना क्षेत्रों में लंपी वायरस से पीड़ित पशु देखे जा सकते हैं। पशुओं के वैक्सीनेशन को लेकर भी विभाग पर सवाल उठ रहे हैं। उपसंचालक जी.एच.पक्षवार का कहना है कि वैक्सीन बुलाई गई है और पशुओं को लगाई जा रही है। क्वारेंटाईन सेंटर भी स्थापित किया गया है।

लम्पी वायरस से ग्रसित संदिग्ध पशुओं के उपचार के लिए अधिकारी कर्मचारियों की लगाई ड्यूटी

उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा नगरपालिक निगम छिन्दवाड़ा क्षेत्र में लम्पी वायरस से ग्रसित संदिग्ध निराश्रित पशुओं के त्वरित उपचार के लिये 8 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिन्हें नगरपालिक निगम छिन्दवाड़ा क्षेत्र में लम्पी वायरस से ग्रसित संदिग्ध पशुओं का त्वरित उपचार कर नगरपालिक निगम की टीम से संपर्क कर क्वारंटाईन सेंटर नगरपालिक निगम द्वारा संचालित कांजी हाउस छिन्दवाड़ा में देखभाल के लिये रखना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.पक्षवार ने बताया कि पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ पशु चिकित्सालय छिंदवाड़ा डॉ.छत्रपाल टांडेकर मोबाईल नंबर 8989613294, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ चलिष्णु इकाई छिन्दवाड़ा डॉ.कृष्णा पेन्द्रे मोबाईल नंबर-9406763396, पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी छिन्दवाड़ा डॉ.लोकेश बेलवंशी मोबाईल नंबर-7566955290, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी चलिष्णु इकाई छिन्दवाड़ा विजय नेमा मो.नं. 9424965427, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी जिला पशु चिकित्सालय छिन्दवाड़ा पी.आर.नारेकर मो.नं.-9425872572 व एस.एल.कोरी मो.नं.-9993497558, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी मु.ग्रा.ई.नोनियाकरबल एस.पी.पवार मो.नं. 9407375544 और चलिष्णु इकाई छिन्दवाड़ा के भृत्य शनिलाल भारती मो.नं.8819837845 की ड्यूटी लगाई गई है।

मेम और सेम बच्चों का ठीक तरह से चिन्हांकन कर उनके समुचित उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती पटले ने ली महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में गत दिवस महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में लक्ष्य पूर्ति, विभागीय रिपोर्ट, दोनों विभागों के विसंगति वाले डेटा में सुधार, संस्थागत प्रसव, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में किये जा रहे कार्यों आदि की विस्तृत समीक्षा की गई और दोनों विभागों के अमले को बेहतर आपसी समन्वय स्थापित करते हुये अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये । बैठक में स्वास्थ्य संस्थाओं में यूरिन टेस्ट किट की उपलब्धता के संबंध में भी समीक्षा की गई। इस समीक्षा में गर्भवती महिलाओं का एनीमिया मैनेजमेंट हाई रिस्क का चिन्हांकन, शिशु मृत्यु के कारणों की समीक्षा तथा शिशु मृत्यु की वर्बल एटॉप्सी करने के लिये विकासखण्डों के बी.एम.ओ. को निर्देशित किया गया। शिशु मृत्यु के अन्य कारण में ज्वांडिश, प्रिमेच्योर डिलेवरी, स्तनपान से संबंधित कारणों आदि का उल्लेख पाया गया । जिनमें सुधार करने के लिये सभी बी.एम.ओ.को निर्देश दिये गये हैं। बैठक में लक्ष्य एवं एनक्रॉश कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई तथा जिन डिलेवरी पॉइंट से स्वास्थ्य संस्थाओं में रैफरल अधिक हो रहे हैं, उन्हें कम करने के प्रयास करने के लिये बी.एम.ओ को निर्देशित किया गया है।बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देश दिये कि मेम और सेम बच्चों के चिन्हांकन का कार्य ठीक ढंग से करें और उनके समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। कुछ आंगनबाड़ियों में सेम एवं मेम के जीरो बच्चों का चिन्हांकन पाया गया है, जिसमें सुधार किये जाने की आवश्यकता है । समीक्षा के दौरान पाया गया कि स्वास्थ्य संस्थाओं में ए.एन.सी.चेकअप एवं यूरिन टेस्ट कम होना परिलक्षित हो रहा है, जिसे शत-प्रतिशत किये जाने के निर्देश दिये गये । आशा कार्यकर्ता द्वारा डायरी में एल.एम.पी. की दिनांक को भरा जाना नहीं पाये जाने की जानकारी सामने आने पर उन्होंने बी.सी.एम.के माध्यम से आशा कार्यकर्ता द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत एल.एम.पी.की दिनांक भराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में अंतरा फाउंडेशन द्वारा जिले के विकासखण्डों के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थाओं में क्षेत्र भ्रमण के दौरान दोनों विभागों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विभागीय रिपोर्ट में पाई गई विसंगतियों के संबंध में अवगत कराया गया। जिसमें ए.एन.सी. अर्ली रजिस्ट्रेशन, 4-ए.एन.सी.चेकअप एवं पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम में दोनों विभागों की रिपोर्ट के डाटा में अंतर होने की जानकारी दी गई। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती पटले ने दोनों विभागों के कर्मचारियों को एक साथ बैठक कर विसंगति वाले डाटा में सुधार कर रिपोर्ट में समानता लाने के निर्देश दिये हैं। इस समीक्षा बैठक में सी.एम.एच.ओ.डॉ.जी.सी.चौरसिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती कल्पना तिवारी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास डॉ. मोनिका बिसेन सहित स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं अंतरा फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शिक्षक के विरूद्व की हेल्पलाइन में शिकायत

छिंदवाड़ा । कोटलबर्री निवासी महिला ने जुन्नारदेव विकासखण्ड के भतोड़िया के ग्राम सारई में शिक्षक पद पर पदस्थ बालकृष्ण इन्दौरकर के विरूद्व सीएम हेल्प लाईन में शिकायत की है। महिला का आरोप है कि उसकी आपत्तिजनक फोटो खींचने और उल्टा मारपीट करने पर न्याय नहीं मिलने पर सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई है।

अवैध उत्खनन, 3 वाहन ट्रेक्टर ट्रॉली जप्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर विगत दिवस खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के संबंध में तहसील चांद के बादगांव में रात्रि 9 बजे छापामार कार्रवाई की गई। छापामार कार्रवाई के दौरान 3 वाहन ट्रेक्टर ट्रॉली को जप्त कर चांद थाने की शासकीय अभिरक्षा में रखा गया है ।

अंधकार से उजाला देने का काम कर रहे संदीप रघुवंशी

गांव गांव में हो रहा नेत्र शिविरों का आयोजन, रामगढ़ में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कराई आंखों की जांच

छिंदवाड़ा । जनाअधिकार सेवा समीति के अध्यक्ष और भाजपा के युवा नेता संदीप रघुवंशी द्वारा चौरई विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव में नेत्र शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। नेत्र शिविर में आकर बड़ी संख्या में मरीज इसका लाभ उठा रहे हैं। जिन मरीजों के मोतियाबिंद के आपरेशन होना हैं उन्हें अस्पताल में भेज नि:शुल्क आपरेशन भी किया जा रहा है। जिले के चौरई विधानसभा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामगढ़ में आज नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई जनअधिकार सेवा समिति के जिला अध्यक्ष संदीप रंघुवंशी ने बताया है कि नेत्र शिविर लगाकर दीन दुखियों कि सेवा हर वर्ष हमारे संघ के द्वारा सेवा दे रहे है, लगातार 10 वर्षो से हमारा संघ दीन दुखियो को नि:शुल्क आँखों का आपरेशन करके उनके जीवन को अंधकार से उजाला देने का कार्य किया जा रहा है, अभी 16 दिवसीय नेत्र शिविर लगाए जा रहे है जिसमे आँखों से पीड़ित ब्यक्ति को सेवा दे रहे है,संदीप रघुवंशी ने बताया है कि 27 अप्रैल को ग्राम पंचायत रामगढ़ मे नेत्र शिविर एवं रक्त दान शिविर का आयोजन के साथ साथ किसानो कि भी समस्या सुनी गई किसानो ने बताया है कि माचागोरा बांध से नहर के द्वारा हम सभी किसानो को पानी नहीं मिल रहा है जिसमें हम 27 गाँवो के किसान परेशान है इस सम्बन्ध मे किसानो ने संदीप रघुवंशी को अवगत कराया, संदीप रघुवंशी ने श्री श्री 1008 कनक बिहारी दास जी महाराज और उमेश सक्सेना जी कि जीवनी को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर ग्राम के गणमान्य नागरिकों में शिवकुमार दुबे, गणेश गौहर,अशोक पंचेश्वर, मिश्रीलाल तिरकाम, सुनील दुबे उमाकांत मिश्रा, विभीषण दुबे, प्रयागसिंग धुर्वे, लक्ष्मी यादव, ललित सक्सेना, आशीष काकोड़िया, आदि उपस्थित थे।

कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

अमरवाड़ा । विधानसभा क्षेत्र के हर्रई नगर में गुरुवार दोपहर महिला कांग्रेस के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक राज महल परिसर में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रानी माधवी शाह के मुख्य अतिथि एवं जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में उपस्थित महिला कांग्रेश की ब्लॉक अध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र में महिला कांग्रेस संगठन की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की एवं बूथ लेवल पर बूथ समितियों के गठन के संबंध में चर्चा की। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि रानी माधवी शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढी, प्रदेश में महंगाई चरम सीमा पर है। प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से मुक्ति चाहती है। हमें पूरी ताकत के साथ काम करके महिला शक्ति को कांग्रेश की रीति नीतियों से अवगत करा कर विजय श्री दिलाना है और कमलनाथ जी को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम 100 वां एपिसोड 30 अप्रैल को

प्रत्येक विधानसभा में 100 स्थानों पर 100 से अधिक कार्यकर्ता सुनेंगे मन की बात

छिंदवाड़ा । मन की बात का 100 वां एपिसोड 30 अप्रैल को प्रसारित होगा । भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मन की बात भारत के सामान्य जन की विशेषताओं को उजागर करने और देश की विशिष्टता की प्रशंसा करने का एक बहुत अच्छा मंच है। 100 वें एपिसोड को सफल बनाने के लिए भाजपा इसे एक लाख से ज्यादा बूथों पर टेलीकास्ट करने की तैयारी कर रही है । पीएम नरेन्द्र मोदी के ''मन की बात' कार्य की शुरुआत 3 अक्टूबर 2014 को हुई थी । हर विधानसभा में 100 जगहों पर 100 लोग बैठकर पीएम मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुन सकेंगे । भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर सुना जाता है प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार इस माह 100 वें एपीसोड को जिले की प्रत्येक विधानसभा में 100 स्थानों पर 100 से अधिक लोग मिलकर इस कार्यक्रम को सुनेंगे ऐसी व्यवस्था भाजपा संगठन ने किया है । प्रत्येक स्थान पर एक वरिष्ठ नेता इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेगा । भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने पूर्व विधायक, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्रकोष्ठों के जिला संयोजक, विधानसभा प्रभारी का एक-एक मतदान केन्द्र का प्रभारी बनाया है सभी बूथ अध्यक्षों एवं बूथ कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि अपने-अपने मतदान केन्द्र में होने वाले मन की बात कार्यक्रम को सुनकर कार्यक्रम के फोटो नमो एप एवं संगठन एप में अपलोड करें ।

एबीवीपी ने सकोरे के माध्यम से चलाया जागरूकता अभियान

छिंदवाड़ा । भीषण गर्मी के बीच मानव और पक्षी दोनो ही जल संकट से जूझ रहे है। जिस के कारण पशु पक्षी पानी की कमी से मर रहे है वही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छिंदवाड़ा के कार्यकर्ताओं व्दारा छिंदवाड़ा न्यायलय में अधिवक्ताओं के साथ मिलकर पक्षियों के लिए सकोरा बांध कर पानी की व्यवस्था की गई और समाज से आग्रह किया गया की वह भी अपने अपने घरों की छतों व पेड़ो पर पक्षियों के लिए सकोरे में पानी रख कर इस मानवीय कार्य में अपना सहयोग दे जिससे पक्षियों को एक नया जीवन मिल सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग संघ चालक भजन लाल चोपड़े जी, विहिप के विभाग सह संयोजक अभिषेक वैष्णव जी विहिप विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक पीयूष शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन मालवी एबीवीपी के जिला संयोजक नवीन सिंह राठौड़ जिला सह संयोजक सोहित डेहरिया नगर मंत्री मोहित डेहरिया जिला सोशल मीडिया अतुल साहू कौस्तुभ चौबे मितेश धुर्वे विजय डोलेकर नितेश एवं अन्य अधिवक्ता गण व विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सतपुड़ा टाइगर छिंदवाड़ा 6 रनों से विजयी

प्रीमियम टी 20 डे नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट

छिंदवाड़ा । खेल मित्र नितिन खंडेलवाल ने बताया कि छिंदवाड़ा डे नाइट टूर्नामेंट बुधवार को दो मैच खेले गए मैच के अतिथि नेता प्रतिपक्ष नगर पालिक निगम भाजपा के नेता विजय पांडे एवं राजेश अग्रवाल अध्यक्ष बैडमिंटन संघ तथा ऑरकोंस इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। पहला मैच सतपुड़ा टाइगर छिंदवाड़ा और वेनम क्रिकेट क्लब रिदौरा के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीतकर सतपुड़ा टाइगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 176 रन बनाए जिसमें शैलेश कर्मकर ने 30 रन, राजा खान ने 23 और भीष्म प्रताप सिंह ने 26 रन बनाए और वेनम रिदौरा के गेंदबाज हर्षित साहू ने 3 विकेट लिए नयन और मंजीत ने 1-1 विकेट लिए । लक्ष्य का पीछा करते हुए वेनम रिदौरा 20 ओवर में 170 रन ही बना सकी और 6 रन से मैच को जीत लिया । सतपुड़ा टाइगर छिंदवाड़ा ने वेनम रिदौरा से सबसे अधिक 55 रन मोहनीश सिंह ठाकुर ने बनाए, सतपुड़ा टाइगर की तरफ से राजा खान और चिरंजीव ने 3-3 विकेट लिए । इस मैच का मैन ऑफ द मैच राजा खान को दिया गया । इस मैच में स्कोरर अभय मालवी रहे और कमेंटेटर हिमांशु जायसवाल रहे । वही दुसरा मैच तिवारी प्रोपेटीस क्रिकेट क्लब और अग्रवाल इंफ्राटेक क्रिकेट क्लब के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीता अग्रवाल इंफ्राटेक और गेंदबाजी का निर्णय लिया जिसमे तिवारी प्रोपेटीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए जिसमें दर्शन पटेल ने 68 रन और क्षितिज ने 35 रन बनाए और अग्रवाल के गेंदबाज कार्तिक राठौड़ ने 2 विकेट लिए । लक्ष्य का पीछा करते हुए अग्रवाल इंफ्राटेक ने 19.1 ओवर में 180 रन बनाकर मैच को जीत लिया । अग्रवाल इंफ्राटेक की तरफ़ से धर्मेन्द्र अहलावत ने सर्वाधिक 55 रन बनाए इस मैच के मैन ऑफ द मैच धर्मेन्द्र अहलावत रहे ।

भाजपा सरकार की गिनाई नाकामियां

चांद ब्लॉक में हुई कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की जनकल्याणकारी नीति व सार्थक सोच से आमजन व पार्टी पदाधिकारियों को निरंतर अवगत कराने के उद्देश्य से ब्लॉकवार व क्षेत्रवार बैठकों का दौर जारी है। आयोजित बैठकों में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण व आमजन को कमलनाथ के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल की जनहितैषी योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है। चांद ब्लॉक के परसगांव, सालई छिन्दी, दिलावर मोहगांव, बासखेड़ा व चांदढ़ाना में कांग्रेस की आयोजित महत्वपूर्ण बैठक को सम्बोधित करते हुये पूर्व शिक्षा मंत्री मप्र शासन राजकुमार पटेल ने कहा कि प्रदेश और छिन्दवाड़ा की उन्नति व प्रगति के लिये कमलनाथ के विजन की आवश्यकता है, उनकी दूरगामी सोच, नीतियों व योजनाओं से समाज का हर वर्ग लाभांवित हुआ है, उनके मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में ऐसी योजनायें प्रारंभ की गई जिसमें गरीब और अमीर का भेद नहीं रखा गया। सौ रुपये में सौ यूनिट बिजली हर वर्ग को प्राप्त हुई, किसान कर्जमाफी योजना से जिले और प्रदेश के 27 लाख किसान बैंक के ऋण से मुक्त हुये हैं, यह कर्जमाफी आगे भी जारी रहती किन्तु भाजपा को किसानों का भला देखा नहीं गया और उन्होंने षड्यंत्र रचकर सरकार गिरा दी, किन्तु आप सभी के सहयोग और आशीर्वाद से पुन: प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री कमलनाथ होंगे और फिर से किसान कर्जमाफी सहित सम्पूर्ण योजनाओं को प्रारंभ किया जावेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि भाजपा की सरकार भ्रष्टाचार और षड्यंत्र की बुनियाद पर टिकी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान झूठ पर झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के उपस्थित पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन से आग्रह करते हुये कहा कि भाजपा ने छिन्दवाड़ा का सर्वाधिक नुकसान किया है। हमारे जिले के विकास को सौ साल पीछे धकेला है, अनेकों योजनायें बंद कर दी, जारी निर्माण कार्यों को रोक दिया और कई योजनाओं का बजट आधा कर दिया। भाजपा निरंतर बदले की भावना से काम कर रही है, इसका मुंहतोड़ जवाब हमें देना होगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से कहा कि भाजपा की एक-एक नाकामी को घर-घर तक पहुंचायें। आयोजित बैठक को क्षेत्रीय विधायक सुजीत चौधरी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक गम्भीर सिंह चौधरी, पृथ्वीराज रघुवंशी, अजय सिन्हा, बंटी पटेल, नवीन पटेल व मनोज वानखेड़े सहित ब्लॉक कांग्रेस के समस्त विभाग व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

दो पक्षों में मकान निर्माण को लेकर हुआ विवाद, महिला हुई घायल

अमरवाड़ा । अमरवाड़ा थाना अंतर्गत सोनपुर जागीर में मकान निर्माण का कार्य चलने के दौरान चऊआ बाई पति नत्थू डेहरिया की सोनपुर निवासी शब्बो बाई, गुटू साहिल आसिफ चारों ने मिलकर महिला को जातिगत गालियां दी और मारपीट कर घायल कर दिया जान से मारने की धमकी देने पर थानेदार ओ पी सनोडिया ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 294 323 506 34 ह्यष्स्ज्ञ 3,1,2 आदि धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

शिक्षकों की समस्याओं व लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये गूगलशीट पर आवेदन अपलोड करने की सुविधा

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत लोकसेवकों की समस्याओं व लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये जिला कार्यालय द्वारा गूगलशीट पर आवेदन अपलोड करने की सुविधा दी गई है । उन्होंने लोकसेवकों को दी गई लिंक में अपनी समस्या के संबंध में आवेदन अपलोड करने एवं अधीनस्थ शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रचार-प्रसार कर, गूगलशीट का उपयोग समस्याओं के निराकरण किये जाने के लिये प्रेरित करने के निर्देश दिये है । उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत लोकसेवकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये जिला कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने उपस्थित होना पड़ता है । जिसके कारण शाला का शैक्षणिक कार्य प्रभावित होता है ।

अभिभावकों से खुली लूट के विरोध में एन.एस.यू.आई. ने सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा विधानसभा एन.एस.यू.आई. महासचिव तनुल शर्मा ने बताया कि जिले में अभिभावको से पुस्तक और ड्रेस के नाम पर की जा रही खुली लूट के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा । उन्होनें आरोप लगाया कि प्रतिवर्ष प्रायवेट स्कूल संचालकों द्वारा अपने-अपने स्कूलों की पुस्तकें बदल दी जाती है, जिसके कारण व्यापारी अभिभावकों से मनमानी कीमत वसूलते हैं, इतना ही कई स्टेशनरी व्यवसासियों से तो स्कूल संचालकों की सांठ-गांठ होने के कारण लाखों रूपयों का कमीशन वसूला जाता है, ऐसी स्थिति में साधारण परिवार के लोग अपने बच्चों को समय पर पुस्तकें नहीं दिलवा पाते । अभिभावकों की समस्याओं को ध्यान में रखकर एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर के नेतृत्व में कलेक्टर महोदया को ज्ञापन सौंपा गया और मांग की है कि सभी प्रायवेट स्कूलों में एन.सी.आर.टी. ही की बुक चलायी जावे और यह सुनिश्चित किया जावे कि एन.सी.आर.टी. की पुस्तकें अभिभावक शहर की किसी भी स्टेशनरी की दुकान से उचित दर पर क्रय कर सकें न कि एक ही स्टेशनरी संचालक से। एन.एस.यू.आई. ने मांग की है कि इन स्कूल संचालकों को निर्देश दिया जावे कि सभी प्रायवेट स्कूलों में एन.सी.आर.टी. की ही पुस्तकें चलायी जावे और सभी प्रायवेट स्कूलों की ड्रेस जिले के समस्त कपड़ा व्यापारियों के पास आसानी से उपलब्ध करायी जावे एवं जिले के सभी प्रायवेट स्कूलों में एक निश्चित फीस निर्धारित की जावे जिससे सभी अभिभावक अपने-अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवा सकें । एन.एस.यू.आई. ने द्वारा आज प्रशासन को अंतिम बार चेतावनी देते हुये अवगत करा दिया है कि अभिभावकों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो एन.एस.यू.आई. जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को घेराव करेगी जिसकी समस्त जबावदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर, नितिन डेहरिया, नावेद खान, समर्थ मैद, तनुल शर्मा, इमरान अली, पीयूष शर्मा, जैनुल खान, सत्येन्द्र अहिरवार, सूरज बिहारे, कुलदीप सिंह राजपूत, शिवम सिंह ठाकुर, अर्शलान खान, अपूर्व कुशवाह, रितेश घोरसे, विक्की यदुवंशी, आवेश अली, अपूर्व कुशवाह सहित पदाधिकारी उपस्थित थे ।

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राजधानी के लाड़ली बहना आवेदन केंद्रों में जाकर निरीक्षण किया और लाडली बहनों से संवाद किया। इस मौके पर महापौर मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा सहित कई नेता, अधिकारी मौजूद रहे।

आज स्वच्छ अभियान के चलते जोन 06 के अंतर्गत शहीद नगर स्टेट बैंक चौराहा थाना कोहफिजा से प्रारंभ डोर टू डोर निरीक्षण किया इस अवसर पर एमआईसी सदस्य आर के सिंह बघेल एवं निगम अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रांसफर पॉलिसी में प्रभारी मंत्री होंगे पावरफुल, मई में हटेगा प्रतिबंध

भोपाल। इस साल विधानसभा चुनाव होंने है इसके चलते इस बार जारी होंने वाली तबादला पॉलिसी में कम संख्या में तबादले का प्रावधान रखा जाएगा। जिलों में होंने वाले तबादलों के लिए प्रभारी मंत्रियों को ज्यादा पावरफुल किया जाएगा। प्रदेश में मई माह में तबादलों से प्रतिबंध हटाया जा सकता है। इसके लिए अगली कैबिनेट बैठक में नई ट्रांसफर पॉलिसी पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी दिए जाने की संभावना है।

राज्य सरकार ने पिछले साल 2022 में 17 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच तबादलों से प्रतिबंध हटाया था। इस बार चुनावी साल में सरकार ज्यादा तबादले करने के मूड में नहीं है। केवल जरुरत के मुताबिक , तीन साल से एक ही स्थन पर जमे अफसरों और प्रशासनिक आधार पर तबादले किए जाएंगे।

जिला संवर्ग के कर्मचारियों का और राज्य संवर्ग के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का जिले के भीतर तबादला जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद हो सकेगा। स्थानांतरण आदेश विभागीय जिला अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी होंगे। गृह विभाग में उप पुलिस अधीक्षक से नीचे के पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के तबादले पुलिस स्थापना बोर्ड द्वारा जिले मं पदस्थापना का निर्णय लिया जाएगा। जिले के भीतर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी मंत्री के परामर्श के बाद पदस्थापना की जाएगी।

राज्य संवर्ग के तबादलों में सीएम और मंत्रियों का अनुमोदन जरुरी- सभी विभागों में राज्य संवर्ग के अंतर्गत विभागाध्यक्ष तथा शासकीय उपक्रम और संस्थाओं में पदस्थ प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के आदो समन्वय में सीएम के अनुमोदन के बाद प्रशासकीय विभाग जारी करेंगे। राज्य संवर्ग के शेष सभी प्रथम श्रेणी के , द्वितीय एवं तृतीय श्रेणियों के अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले इसमें जिलों के भीतर किए जाने वाले तबादलों को छोड़कर आदेश विभागीय भारसाधक मंत्री के अनुमोदन के बाद प्रशासकीय विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव द्वारा जारी किए जाएंगे। इसी तरह जिलों के भीतर के तबादलो को छोड़कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के राज्य संवर्ग के तबादले विभगीय मंत्री के अनुमोदन के बाद विभागाध्यक्ष द्वारा जारी किए जाएंगे। उप पुलिस अधीक्षक और उससे वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले पुलिस स्थापना बोर्ड के दिशा निर्देशों के अनुरुप विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद समन्वय में सीएम के अनुमोदन के बाद किए जाएंगे।

दिव्यांग, बीमार को मिलेगी प्राथमिकता- तबादलों में स्वयं की बीमारी अथवा स्वयं की शरीरिक, मानसिक दिव्यांगता के कारण प्रस्तुत आवेदन के आधार पर तबादलों में प्राथमिकता दी जाएगी। चालीस प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले कर्मचारियों के तबादले नहीं किए जाएंगे केवल उनके आवेदनों पर ही तबादले होंगे। जिन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति में छह माह का समय बाकी है उनके तबादले नहीं किए जाएंगे। न्यायालय के आदेश पर, गंभीर अनियमितता, लापरवाही, लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में आपराधिक प्रकरण दर्ज होंने पर जांच प्रभावित न होंने के लिए तबादले किए जा सकेंगे। पति-पत्नि को एक स्थान पर रखने, परिवार में बच्चे, माता-पिता के मानसिक निःशक्त होंने, स्वलीन और बहुआयामी निःशक्तता से पीड़ित होंने पर उन्हें उपचार और शिक्षा की सुविधा वाले स्थानों पर पदस्थ किया जा सकेगा।

दो हजार से अधिक पद, संवर्ग संख्या तो केवल पांच फीसदी तबादले- सभी विभागों में जहां पद और संवर्ग में दो हजार से अधिक कर्मचारी है वहां पांच प्रतिशत तक तबादले हो सकेंगेञ दो सौ एक से लेकर 2000 तक संख्या पर दस प्रतिशत तक तबादले हो सकेंगे। इसमें भी केवल बेहद जरुरी तबादले ही किए जाएंगे।

मध्यप्रदेश पब्लिक गेंबलिंग एक्ट-2023 को रिफाइन करें : एसीएस डॉ. राजौरा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार ऑनलाइन गेंबलिंग की रोकथाम और नियंत्रण के लिये राज्य सरकार द्वारा मध्यप्रदेश पब्लिक गेंबलिंग एक्ट-2023 को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके लिये अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की मंत्रालय में आज बैठक हुई। डॉ. राजौरा ने निर्देशित किया कि एक्ट को और अधिक रिफाइन करें। स्पेशल डीजी सीआईडी, डायरेक्टर प्रॉसिक्यूशन, सेक्रेटरी लॉ, सेक्रेटरी होम सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। राज्य सरकार द्वारा गठित टास्क फोर्स ने बैठक में प्रदेश में ऑनलाइन गेंबलिंग एक्ट-2023 (नवीन सार्वजनिक द्यूत अधिनियम) के प्रथम ड्राफ्ट पर विस्तृत चर्चा की। प्रारूप में ऑनलाइन गेंबलिग के विरूद्ध प्रावधानों को शामिल किया गया है। ऑनलाइन गेंबलिंग के नियंत्रण और रोकथाम के लिये देश के विभिन्न राज्यों में किये गये प्रयासों का भी तुलनात्मक अध्ययन किया गया। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में लागू सार्वजनिक जुआ अधिनियम-1876 के स्थान पर नवीन सार्वजनिक जुआ अधिनियम-2023 (ऑनलाइन गेंबलिंग के विरूद्ध प्रावधानों सहित) प्रारूप को अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा। इसके लिये टास्क फोर्स की अंतिम बैठक आगामी 4 मई को होगी। टास्क फोर्स द्वारा अपनी अनुशंसाएँ 15 मई तक प्रस्तुत कर दी जाएंगी।

पूर्व मंत्री जयंत मलैया के बेटे सिद्धार्थ का निष्कासन खत्म, पार्टी में वापसी

भोपाल। दमोह उपचुनाव के बाद पार्टी प्रत्याशी के विरुद्ध भितरघात के आरोपों के चलते छह साल से बीजेपी से निष्कासित किए गए पूर्व मंत्री जयंत मलैया के बेटे सिद्धार्थ मलैया और उनके समर्थकों की पार्टी में वापसी हो गई है। गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सिद्धार्थ को पार्टी का गमछा पहनाकर घर वापसी कराई। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भी मौजूद रहे।

सिद्धार्थ ने वापसी के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि पार्टी ने उन्हें फिर स्वीकार किया है, इसके लिए वे संगठन के आभारी हैं। अब आने वाले समय में संगठन जो जिम्मेदारी सौंपेगा उसे गंभीरता से निभाएंगे। सिद्धार्थ ने नेता पुत्रों के चुनाव लड़ने के मामले में कहा कि यह संगठन को तय करना है। वे संगठन के द्वारा सौंपे गए दायित्वों को निभाएंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस छोड़ कर बीजेपी में शामिल हुए राहुल लोधी दमोह उपचुनाव हार गए थे और उन्होंने चुनाव में सिद्धार्थ और उनके समर्थकों पर भितरघात के आरोप लगाए थे जिसकी जांच के बाद सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित किया गया था।

मप्र भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा को मैथिली साहित्य महासभा द्वारा प्रकाशित अपूर्वा पत्रिका संपादकद्वय संजीव सिन्हा एवं उज्ज्वल झा द्वारा प्रदान की गई। श्री झा ने इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान कीं।

त्रैमासिक पत्रिका मीडिया मीमांसा का विशेष संस्करण लॉन्च

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने जामिया मिलिया इस्लामिया और आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित एमसीयू के कार्यक्रम में त्रैमासिक पत्रिका मीडिया मीमांसा का विशेष संस्करण लॉन्च किया। इसमें अद्वितीय संचार अवधारणा के 100 वें एपिसोड को चिह्नित करने के लिए आज मन की बात पर शोध अध्ययनों से युक्त हमारी दृष्टिहीन सहकर्मी की समीक्षा की गई।

6 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के नाम पर हुआ विचार

भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा के 1990 बैच के छह अफसरों को एडीजी से स्पेशल डीजी बनाए जाने के लिए आज मंत्रालय में डीपीसी हुई। इसमें एसडब्ल्यू नकवी सहित 6 अफसरों को डीजी पद पर पदोन्नति करने विचार किया गया। पदों के रिक्त होंने के बाद इन अफसरों के पदोन्नति आदेश जारी किए जाएंगे। मंत्रालय में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस की अध्यक्षता में हुई डीपीसी में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजौरा, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार और ष्ठतक्क सुधीर कुमार सक्सेना मौजूद रहे। इस डीपीसी में 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी एसडब्ल्यू नकवी, वीके माहेश्वरी, अशोक अवस्थी, अनुराधा शंकर सिंह, विजय कटारिया और बीबी शर्मा को स्पेशल डीजी पद पर पदोन्नति देने विचार किया गया। डीपीसी बैठक हो गई है और जल्द ही इन सभी पदोन्नत अफसरों के पदोन्नति आदेश भी जारी किए जाएंगे।

गौरतलब है कि स्पेशल डीजी के पद पर पदस्थ मुकेश जैन जुलाई में सेवानिवृत्त हो रहे है। उनके रिटायरमेंट पर एक पद खाली हो जाएगा। तब इस पद पर सबसे सीनियर आईपीएस अफसर एसडब्ल्यू नकवी को पदोन्नति दी जाएगी। इसके बाद जैसे-जैसे पद रिक्त होंगे अफसरों को पदोन्नति दी जाएगी।

क्राईम ब्रांच ने द होटल ट्री चेप्टर से हुक्का का जखीरा किया जप्त

भोपाल । राजधानी में पुलिस के द्वारा रतीबाद थानाक्षेत्र में गुरुवार को अवैध रूप से शराब व हुक्का पिलाने वालो पर कार्यवाही की गई जिसमें अवैध रूप से हुक्का और अन्य सामान जब्त किया गया। राजधानी में अबैध शराब/हुक्काबार पर चलाने वाले होटल रेस्टोरेंट पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा दिशा निर्देश जारी किये गये है। आदेश के पालन में थाना क्राइम ब्रांच की टीमे लगातार अवैध रूप से शराब पिलाने व अवैध रूप से हुक्का चलाने वाले होटल ढाबो रेस्टोरेंट पर कार्यवाही कर रही है। इसी तारतम्य में 27 अप्रैल 2023 को थाना रातीबड़ क्षेत्र में स्थित साक्षी ढ़ावा टचबुड रेस्टोरेंट, ब्लूमून रेस्टोरेंट, मून रिसोर्ट, द 38 रिसोर्ट द होटल ट्री चेप्टर में क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा दबिश दी गयी द होटल ट्री चेप्टर में अवैध रूप से हुक्काबार का संचालन होता पाया गया होटल से हुक्का सामग्री का जखीरा जप्त कर होटल प्रबधंन के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

मध्यप्रदेश की पहली 'वंदे भारत ट्रेन' हादसे का शिकार, गाय के टकराने से अगला हिस्सा हुआ क्षतिग्रस्त

भोपाल। देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस एक बार फिर हादसे का शिकार हो गई है। इस बार वंदे भारत एक्सप्रेस मध्यप्रदेश में हादसे का शिकार हुई है। दरअसल, भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रैन ग्वालियर में हादसे का शिकार हुई है। बताया जा रहा है कि, ट्रेन एक गाय से टकरा गई, जिसके बाद इंजन का बोनट क्षतिग्रस?त हो गया।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि, अभी कुछ दिनों पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश की

पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी यही ट्रैन गुरुवार शाम हादसे का शिकार हुई है। हादसा ग्वालियर के पास डबरा रेलवे स्टेशन से पहले हुआ है। बता दें कि, भोपाल और दिल्ली के बीच सेमी हाई-स्पीड ट्रेन सेवा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अप्रैल को हरी झंडी दिखाई थी।

मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेन के सामने गाय के आ जाने से हादसा हुआ। गाय के टकराने से ट्रेन का बोनट खुल गया और अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही टेक्निकल स्टाफ और आरपीएफ टीम भी मौके पर पहुंची और डबरा स्टेशन के पास वंदे भारत एक्सप्रेस को रोककर टेक्निकल स्टाफ ने इंजन को दुरुस्त किया।